उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-22)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 01 जुलाई, 2024

पेज-6 पर

ओवैसी की सांसदी निरस्त कर चुनाव लड़ने पर लगे रोक 3

अयोध्या में टाटा समूह बनाएगा इंटरनेशनल मंदिर संग्रहालय 5

हेमंत सोरेन ने सामंती ताकतों को खदेड़ने के लिए विद्रोह की घोषणा की

भोगनाडीह। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सामंती ताकतों के खिलाफ विद्रोह की रविवार को घोषणा की और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पूरे देश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बाहर कर देगा। सोरेन ने यहां 'हूल दिवस' के मौके पर एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि जेल से उनकी रिहाई के बाद भाजपा ''घबरा गयी'' है और उसके नेता फिर से उनके खिलाफ ''साजिश'' रच रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''अपनी रिहाई के बाद मैं पहली बार 'हूल दिवस' पर आपको संबोधित करने के लिए अपने घर से बाहर निकला हूं। यह हम सभी के लिए प्रेरणा का दिन है। अंग्रेजों के खिलाफ संथाल विद्रोह की तरह हम झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश से सामंती ताकतों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए 'हूल विद्रोह' का ऐलान करते हैं।'' सोरेन ने कहा, ''मुझे झूठे मामलों में फंसाया गया... केंद्र सरकार अपने खिलाफ आवाज उठाने वालों को प्रताड़ित करने के लिए अपनी जांच एजेंसियों को लगा देती है। मुझे जेल से बाहर आए अभी दो दिन ही हुए हैं, लेकिन भाजपा घबराई हुई है। पार्टी के शीर्ष नेता झारखंड में बार-बार आ रहे हैं और मेरे खिलाफ फिर से साजिश रच रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि झारखंड को क्रांतिकारियों की भूमि के रूप में जाना जाता है और हम जेल, लाठी या फांसी से नहीं डरते। झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा धनशोधन मामले में जमानत दिए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री को शुक्रवार को बिरसा मुंडा जेल से रिहा कर दिया गया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

बारिश की वजह से 11 लोगों की मौत, दिल्ली सरकार देगी 10 लाख मुआवजा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने रविवार को 28 जून को हुई भारी बारिश के बाद डूबकर मारे गए सभी लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। बता दें, शुक्रवार को दिल्ली में रिकॉर्ड बारिश हुई थी, जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजधानी के निचले हिस्सों में जलभराव हो गया और 11 लोगों की जान भी चली गई। इसके अलावा मौसम विभाग ने 2 जुलाई तक दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

मंत्री आतिशी ने एसीएस राजस्व को निर्देश दिया कि वे क्षेत्रीय अस्पतालों और दिल्ली पुलिस के सहयोग से जान गंवाने वालों की पहचान करें और उन्हें जीएनसीटीडी की ओर से तत्काल मुआवजा प्रदान करें। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में आतिशी ने लिखा, %28 जून को 24 घंटे में 228 मिमी की अत्यधिक बारिश के बाद कई मौतें हुई हैं। जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवारों को ?10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। निर्देश दिए गए हैं कि यह मुआवजा पीड़ित परिवारों तक शीघ्र पहुंचे।दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने रविवार को भारी बारिश से प्रभावित हुए इलाकों का दौरा किया और जल निकासी प्रणालियों का निरीक्षण किया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को मानसून ने राष्ट्रीय राजधानी में दस्तक दी और इसकी पहली बारिश हुई।

उच्च न्यायालय बिभव कुमार की याचिका पर आज फैसला सुनाएगा

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार की उस याचिका की विचारणीयता के मुद्दे पर सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा, जिसमें उन्होंने आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री आवास पर कथित मारपीट के सिलसिले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी।न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने 31 मई को कुमार के अधिवक्ता और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए वकीलों की दलीलें सुनने के बाद उनकी याचिका की विचारणीयता पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

केजरीवाल के सरकारी आवास पर 13 मई को मालीवाल के साथ कथित मारपीट के सिलसिले में कुमार को दिल्ली पुलिस ने 18 मई को गिरफ्तार किया था। कुमार फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। कुमार ने याचिका में, उनकी ''अवैध'' गिरफ्तारी के लिए ''उचित मुआवजा'' और गिरफ्तारी के निर्णय में शामिल दोषी

अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया है।

बिहार के बाद झारखंड में जमींदोज हुआ निर्माणाधीन पुल, भारी बारिश के कारण हुआ हादसा

झारखंड। बिहार के बाद अब झारखंड में एक निर्माणाधीन पुल गिर गया है। यह पुल गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड में अरगा नदी पर बना रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार देर रात को हुई बारिश के बाद पुल का पिलर धंस गया था, जिसकी वजह से गर्डर टूटा और पुल जमींदोज हो गया। जानकारी के लिए बता दें कि इस पुल का निर्माण पथ निर्माण विभाग द्वारा साढ़े पांच करोड़ की लागत से करवाया जा रहा था।

गिरिडीह से सड़क निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता विनय कुमार ने पीटीआई-भाषा% को बताया, पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। शनिवार रात भारी बारिश के कारण पुल का सिंगल-स्पैन गर्डर गिर गया और एक पिलर झुक गया। ठेकेदार को उस हिस्से को दोबारा बनाने के लिए कहा गया है।स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार की शाम को मूसलाधार बारिश की वजह से अरगा नदी का जलस्तर बढ़ गया था। रात करीब आठ बजे एक पाया टेढ़ा हो गया, जिसके बाद तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गर्डर टूट कर नदी में गिर गया। स्थानीय ग्रामीणों ने एक अन्य पिलर के टेढ़े होने की भी जानकारी दी है। बता दें, ओम नम: शिवाय नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी को इस पुल को बनाने का ठेका मिला था। पहली बारिश भी नहीं झेल पाने की वजह से सरकार और कंपनी दोनों विवादों के घेरे में हैं।

किसी भी पार्टी को मतदाताओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए: सचिन पायलट

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने ''नियंत्रण और संतुलन'' के महत्व पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी संसद में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव पायलट ने कहा कि हलिया चुनाव परिणामों से यह संकेत मिलता है कि किसी भी पार्टी को मतदाताओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

पायलट ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''लोकसभा चुनाव के नतीजे कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। अंतिम परिणाम यह है कि नयी दिल्ली में गठबंधन सरकार बनी है।

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

अमरनाथ यात्रा :जम्मू आधार शिविर से 6,600 से अधिक तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

नई दिल्ली। दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित गुफा मंदिर के लिए जम्मू में भगवती नगर आधार शिविर से 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना हुआ।

अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि 52 दिन की वार्षिक अमरनाथ यात्रा के पहले दिन, करीब 14,000 तीर्थयात्रियों ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। यह यात्रा अनतंनाग में पहलगाम और गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग से शुरू हुई।

रविवार तड़के तीन बजकर 50 मिनट और चार बजकर 45 मिनट के बीच दो समूहों में तीसरा जत्था 319 वाहनों पर सवार होकर निकला। तीसरे जत्थे में 1,141 महिलाएं भी हैं।अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रियों के कश्मीर के लिए रवाना होने के समय जम्मू में बारिश हो रही थी। उन्होंने बताया कि 3,838 तीर्थयात्रियों ने पहलगाम मार्ग और 2,781 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग से यात्रा करने का विकल्प चुना है।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 28 जून को पहले जत्थे को रवाना किया था और तब से कुल 13,103 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। यह तीर्थयात्रा 19 अगस्त को संपन्न होगी। पिछले साल 4.5 लाख श्रद्धालुओं ने बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन किए थे।

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर लगाया पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक परिवारों के साथ भेदभाव करने का आरोप

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता ने रविवार को भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरक्षण के मूल मूल्यों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। इसी के साथ उन्होंने भाजपा पर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक परिवारों के साथ भेदभाव करने का आरोप भी लगाया।

अखिलेश ने कहा, %भाजपा आरक्षण के मूल मूल्यों के खिलाफ काम कर रही है। पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के परिवारों के साथ भेदभाव हो रहा है।% उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली और यूपी से नियुक्त कुलपतियों में पीडीए के परिवारों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। दिल्ली के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पीडीए के परिवारों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।यादव ने कहा, %जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने 15त्न से भी कम पीडीए परिवारों को नौकरी दी है। मौजूदा सरकार आरक्षण के पक्ष में नहीं है।% उन्होंने कहा कि मंडल आयोग, राम मनोहर लोहिया, बाबासाहेब अंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस पीडीए परिवारों के अधिकारों की रक्षा करना चाहते थे और भाजपा इसके खिलाफ काम कर रही है।

संपादकीय

लोकतंत्र की दरकार

देश में लंबे चले चुनाव अभियान और चुनाव परिणाम के बाद अस्तित्व में आयी 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो चुकी है। राजग की लगातार तीसरी पारी गठबंधन सरकार के रूप में सामने आई है। निश्चित रूप से इस बार विपक्षी गठबंधन पिछले दशक के मुकाबले ज्यादा मजबूत बनकर उभरा है। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले राहुल गांधी का विपक्ष का नेता चुना जाना साफ बताता है कि आने वाले दिनों में राजग सरकार की राह आसान नहीं रहने वाली। इस संक्षिप्त सत्र के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच जो तनातनी सामने आई, वह पिछले सात दशकों के मुकाबले अभूतपूर्व है। विपक्ष एक ओर लोकसभा उपाध्यक्ष पद देने की मांग कर रहा था, तो सत्ता पक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं था। जाहिर इस टकराव के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की स्थितियां बनी हैं। हालांकि, राजग सरकार के पास चुनाव पूर्व गठबंधन के चलते पूर्ण बहुमत है, लेकिन विपक्ष इस चुनाव को अपनी एकजुटता के रूप में एक प्रतीकात्मक दबाव के रूप में दिखाना चाहेगा। बहरहाल, बेहतर होता कि लोकसभा में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर चयन सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सहमति से होता। इसी तरह नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने के लिये नियुक्त प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में तनातनी देखी गई। वरिष्ठता के क्रम में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस की दावेदारी की गई थी। बहरहाल, 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही पक्ष-विपक्ष के बीच तनातनी की शुरुआत स्वस्थ लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत तो कदापि नहीं है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि 17वीं लोकसभा के दौरान टकराव के चलते तमाम सत्रों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2023 में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में घुसपैठ के मामले में बहस की मांग पर कथित दुर्व्यवहार हेतु 141 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। जिसमें 95 लोकसभा सदस्य थे।उम्मीद की जानी चाहिए 18वीं लोकसभा में वैसे दृश्य फिर न देखने को मिलें। जनता अपने प्रतिनिधियों को इस लिये चुनकर संसद में भेजती है ताकि वे उनके इलाके के विकास को नई दिशा दे सकें। लेकिन पहले दिन विपक्षी नेताओं द्वारा संसद में संविधान की प्रतियों के साथ एकजुटता दर्शाना और कतिपय सत्तारूढ़ दल के सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान नारेबाजी को देखकर लगता है कि विपक्ष ज्यादा मुखर होकर सरकार के लिये चुनौती पेश करता रहेगा। बहरहाल, किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सरकार सहमति से चले। साथ ही विपक्ष भी जिम्मेदार भूमिका में नजर आए। कुल मिलाकर हंगामे, बहिष्कार व नारेबाजी के बजाय रचनात्मक व गरिमामय भूमिका की दरकार है।

पंजाब को चाहिए सर्वांगीण विकास का दृष्टिकोण

अब जबकि धुर दक्षिणपंथी अपने पुराने शबाब में लौटते दिखाई दे रहे हैं, पंजाब और भारत में सुरक्षा और शांति को खतरा बनेगा, नाना प्रकार की साजिश कथाएं फैलेंगी और अगर वक्त रहते सड़न को नहीं रोका तो जिस शांति को स्थापित करने में दशक लगे वह जाती रहेगी। इस सड़न के कारक हालांकि हकीकत से जुड़े हैं ज़्योंकि बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों पर ध्यान देने से बचा जा रहा है। विकास सूचकांक में पंजाब काफी वर्ष पहले अपना अगुआई वाला स्थान गंवा चुका है और अब विकास एवं संवृद्धि के लगभग तमाम पैमानों पर निचली श्रेणी के सूबों के साथ अवस्थित है। राजनेता आग से खेल सकते हैं लेकिन किस कीमत पर? यही वक्त है जब मुज़्यधारा के दल जोर लगाएं और लोगों को साथ जोड़कर अपनी गंवाई जमीन पुन: प्राप्त करें। परंतु आप लोगों को तभी जोड़ पाएंगे यदि आपके पास पूरे सूबे की भलाई के लिए दूरदृष्टि, ऐसा समावेशी नजरिया हो जो सभी नागरिकों के लिए तमाम मोर्चों पर नियोजित विकास करने वाला हो।

कुछ दिन पहले मैं किताबों की दुकान पर यह देखने गया कि नया क्या आया है। मैंने कुछ किताबें चुनीं और बाहर निकलने ही वाला था कि एक युवा महिला कहने लगी कि वह मुझ से कुछ बात करना चाहती है। मैं उसे और दिल्ली में उसके परिवार को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वह काफी उद्वेलित लग रही थी और उसने सीधे मुझसे सवाल दागा कि लोकसभा चुनाव में अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह खालसा की जीत के पंजाब के भविष्य को लेकर क्या मायने हैं। मैंने उसका डर दूर करने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाया। किताबों की दुकान जैसे सौम्य माहौल में हुई इस दोस्ताना बहस ने मुझे हिला दिया और अचानक शुरू हुए इस संवाद से पैदा हुई विचार प्रक्रिया को मैंने झटकने का प्रयास किया। मैं घर पहुंचा, तभी रिश्ते में अग्रज लगते भाई का फोन आया, जो सेना में ऊंचे ओहदे से एक सेवानिवृत्त अधिकारी हैं और इन दिनों पंजाब में बसे हुए हैं। उन्होंने भी पूछा कि पंजाब में क्या चल रहा है। मैंने उन्हें भी नरमी भरी बातों से इस चिंता से निकालने की कोशिश की और सुझाव दिया कि वे और उनकी पत्नी कुछ दिनों के लिए कहीं घूम आएं। अगले कुछ दिनों तक मुझे पंजाब से रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों की अनेक फोन कॉल्स आईं, सब एक जैसे सवाल पूछ रहे थे, आधी गंभीरता, आधे उत्साह युक्त। पंजाब में एक दशक तक चली हिंसा की सुनामी के वक्त भी, सतह के नीचे, चिंता की तरंगें थीं। तो क्या गुजरा अतीत, वर्तमान और भविष्य बनने जा रहा है ?हिंसा की उस कहानी को पकने में कई साल लगे थे और मैं उनमें एक हूं जिन्होंने अपनी आंखों से इसे आगाज़ से अंत तक घटित होते देखा। आम धारणा के विपरीत, अंतिम काली छाया तक पहुंचने से पहले, इसने विकसित होने में कई साल लिए थे और इस बुरी कहानी के नाटकीय पात्र सर्वविदित हैं। शतरंज की बिसात पर मोहरे चलाने वाली राजनीतिक और सामाजिक शक्तियों के बारे में भी सबको पता है, लेकिन ग्रीक कहानियों में त्रासदी की नियति की भांति हम भविष्य के वक्त की चाल को देख तो सकते हैं लेकिन दखल देकर उसकी धारा को मोड़ नहीं दे सकते और त्रासदी है कि वह अपनी राह पर चलते हुए, रक्तरंजित अंजाम को पा जाती है। यह सब बहुत पहले की बात नहीं है और जनता की याद ?्दाश्त वैसे भी कमज़ोर होती है्ज तो क्या हम फिर पुनरावृत्ति की राह पर हैं? मैं यह तो नहीं कहना चाहूंगा लेकिन फिर सरकार चुप क्यों हैं? राजनीतिक दल क्यों चुप्पी साधे हुए हैं? मीडिया किसलिए मूक है और सिविल सोसायटी भी चुप क्यों हैं? कहां से आये हैं ये दो लोग और किस प्रकार संसद के सदस्य तक चुन लिए गये हैं? यही वक्त है ऐसे सवाल पूछने का और यही समय है जब सरकार और राजनीतिक दल इनके जवाब दें। आज की तारीख में लगता है राजनीतिक दलों का एक ही ध्येय है - संसद, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत के चुनाव लड़ना और जीत पाना। उनकी एकमात्र इच्छा सभी स्तरों पर ताकत हासिल करना है, बगैर किसी जवाबदेही के। सरकार को अब तक पता होना चाहिए था कि लोग चिंतित हैं, पंजाब में क्या हुआ, इन चुनावी नतीज़ों की व्याख्या करने को उसे मूल कारण तक गहरे उतरना चाहिए, यहां तक कि कंगना रनौत थप्पड़ कांड में भी।

पिछले दो दशकों में सरकारें बनीं और गईं, लेकिन उनमें किसी एक ने भी 1980 और 1990 के दशक में जो कुछ हुआ, उसकी वजहें जानने की कोशिश नहीं की, और न ही कोई सबक लिया। किसी सरकार ने युवाओं की शिक्षा, रोजगार, बुनियादी ढांचा विकास और उद्योग स्थापना के लिए बृहद योजना नहीं बनाई। कहने का अर्थ यह नहीं कि पंजाब में कोई विकास नहीं हुआ। हरित क्रांति और इसके बाद के सालों ने पंजाब को सुनहरे दिन दिए और भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। एक आईआईटी, एक आईएमएम, एक उच्चकोटि का मेडिकल शिक्षा संस्थान और सड़क तंत्र जरूर बना है लेकिन यह बहुत कम और बहुत देर से हुआ और अधिकांश अंदरूनी ग्रामीण इलाका आज भी पुरानी पड़ चुकी कृषि अर्थव्यवस्था और बंटवारे के बाद छोटे होते खेतों से घटती कमाई के चक्र में फंसा हुआ है, जिससे किसान के सिर पर भारी कर्ज चढ़ जाता है और वे आत्महत्या तक कर लेते हैं। रोजगार के स्रोत जैसे कि सशस्त्र सेना में भर्ती भी सिकुड़ी है, लिहाजा विदेशी मुल्कों की ओर बड़े पैमाने पर युवाओं का पलायन हो रहा है। इसके चलते नौजवान और बड़ों में रोष सुलग रहा है जिसका दोहन अतिवादी तत्व कर सकते हैं। राजनेताओं की प्रवृत्ति झूठे वादे, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने और मिथ्या आंकड़ों से बहलाने की होती है, इससे स्थिति और बिगड़ती है- वे किसे बेवकूफ बनाने का प्रयास कर रहे हैं? नशे का सेवन पूरे देश में आम हो चला है और देशभर में इसकी रोकथाम के रूप में महज यहां-वहां की जा रही छापेमारी है या छोटी मछलियां पकड़ी जाती हैं। नशा माफिया का एक भी बड़ा व्यापारी या इसमें पूंजी लगाने वाला गिरफ्तार नहीं हुआ है।

मुख्यधारा के राजनीतिक दल निरंतर धुर-दक्षिणपंथियों के लिए मैदान खाली छोड़ रहे हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में, शिरोमणि अकाली दल का वोट शेयर घटकर 13.4 फीसदी रह गया। हालांकि 18.5 प्रतिशत वोटों के साथ भाजपा की कारगुजारी भी कोई बढ़िया नहीं रही। अकाली दल का प्रदर्शन 2022 के विधानसभा चुनाव में पाए 18.3 फीसदी वोटों से नीचे गिरा है। मैंने अकाली दल का नाम इसलिए लिया क्योंकि यह वह दल है जिसने कभी पंजाबी सूबा मोर्चा जैसे आंदोलन चलाए और कांग्रेस के बाद देश की दूसरी सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है। दिवंगत प्रकाश सिंह बादल पांच बार मुख्यमंत्री बने और कद्दावर शख्सियत थे जिन्होंने राजनीतिक मुद्दों पर अपना अडिग रुख कायम रखते हुए अनेक बार जेलें काटी, इनमें इमरजेंसी से लेकर सतलुज-यमुना लिंक नहर को लेकर चलाए आंदोलन भी शामिल हैं। हालांकि अतिवादियों के दबदबे वाले 1980 और 90 के कालखंड में उनकी पार्टी ने भी अन्य मुख्यधारा दलों की भांति मूक-दर्शक बने रहना चुना था।

अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट 2023-भारत ने सिरे से खारिज किया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ वर्षों से दुनियां देख रही है कि भारत के बढ़ते विकास प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष सहित सभी क्षेत्रों में इतिहास रचने की गाथा के नए-नए अध्याय जोड़ गए हैं, जिसमें भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में चार चांद लगे हैं। विकसित देश भारत को बॉस व ऑटोग्राफ लेने की नजरों से देखते हैं, उसके बाद भी दशकों से हम देख रहे हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में आए वैश्विक सूचकांकों व रिपोर्टों में भारत को अति पिछड़ा बताया जाता है। कई सूचकांकों व रिपोर्ट्स में यहां तक के हमारे पड़ोसी मुल्कों से भी हमारा सूचकांक बहुत नीचे होता है, जो सरासर दिखता है के कहीं ना कहीं कोई मिस्टेक जरूर हुई है, उसके बाद भारत उन सूचकांकों व रिपोर्ट्स को खारिज करता है। जिसपर वे एजेंसियां अपने डाटा दिखाती है,जिसके आधार पर उन्होंने रिपोर्ट्स बनाई है। यह बात आज हम इसीलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 26 जून 2024 को अमेरिकी विदेशी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 जारी की गई है, जो 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2023 अवधि में लिए गए डाटा कलेक्शन के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें खास नॉरेटिव गढ़ते हुए चुनिंदा घटनाओं को बताया गया है, व अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ाने की बात कही गई है। इस रिपोर्ट को दिनांक 28 जून 2024 को साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश विभाग के प्रवक्ता ने सीधे तौरपर खारिज कर दिया हैबता दें इस रिपोर्ट में अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता पर उंगली उठाते हुए भारत को फटकार लगाई है। मीडिया में आई इस रिपोर्ट के अनेक हिस्सों को मैंने पढ़कर यह पाया कि इसमें मणिपुर हिंसा, धारा 370, मोब लिंचिंग, बुलडोजर, गैर सरकारी संगठनों द्वारा ईसाईयों के खिलाफ हिंसा सहित अनेक मामलों को शामिल किया गया है। हालांकि यह रिपोर्ट उपलब्ध डाटा के आधार पर बनाई गई होगी परंतु मेरा मानना है कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष व अनेक जाति धर्म के मिले-जुले तानों बानो से बना देश है जिसकी यह सबसे बड़ी उपलब्धि है कि सब एक साथ रह रहे हैं। वैसे तो बर्तन भी खनखनाते रहते हैं तो आवाज जरूर आती है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह साथ रहने के बाद भी बर्तन खूब टकराते हैं, व एक टोकनी में रहना पसंद नहीं करते, अगर कुछ दंगों के उदाहरण हैं तो कुछ अच्छी बातों के भी उदाहरण है। चूंकि अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश

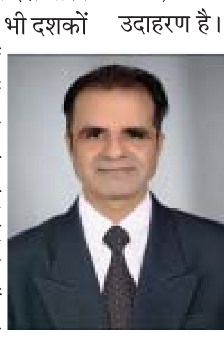

विभाग द्वारा दी गई रिपोर्ट 2023 को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है, व भारत ने अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 को पक्षपाती व भारत के सामाजिक ताने-बाने की समझ का अभाव बताया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों और रिपोर्टों में भारत को रैंकिंग में पिछड़ा व खास नॉरेटिव से गड़ने को रेखांकित कर उपाय ढूंढना जरूरी है।साथियों बात अगर हम 26 जून 2024 को जारी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023को समझने की करें तो, दुनियां भर में धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने साल 2023 के लिए अपनी रिपोर्ट जारी की है।अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर सालाना रिपोर्ट जारी करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया भर में लोग इसकी रक्षा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।इस रिपोर्ट में दुनिया के क़रीब 200 देशों में धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आज की तारीख़ में करोड़ों लोग धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान नहीं कर रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत में हेट स्पीच, धार्मिक रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के घरों और पूजास्थलों को ध्वस्त करने के मामले बढ़े हैं।रिपोर्ट में भारत धर्मांतरण विरोधी क़ानून को लेकर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत में साल 2023 में भी धार्मिक स्वतंत्रता की स्थितियां लगातार ख़राब रही हैं।इसमें कहा गया है कि सत्ताधारी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने भेदभावपूर्ण राष्ट्रवादी नीतियों को बढ़ावा देने का काम किया, जिसने समाज में घृणा को बढ़ाने का काम किया है।रिपोर्ट कहती है कि अल्पसंख्यक धर्मों के ख़िलाफ़ हो रही सांप्रदायिक हिंसा से निपटने में पार्टी नाकाम रही है। रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत में यूएपीए, एफसीआरए, सीएए, धर्मांतरण विरोधी और गोहत्या को लेकर जो क़ानून हैं, उनके चलते धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनकी वकालत करने वालों लोगों को निशानाबनाया गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन भी न्यूज़ आउटलेट या एनजीओ ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को लेकर बात की है, उन पर एफसीआरए के तहत सख्त निगरानी रखी गई है।इसमें सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च नाम की एक एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस को फ़रवरी, 2023 में रद्द करने का ज़िक्र किया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक़ ये एनजीओ सामाजिक, धार्मिक और जातीय स्तर पर हो रहे भेदभाव पर रिपोर्ट करने का काम करते हैं, लेकिन गृह मंत्रालय ने इसका एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया।इसमें कहा गया है, इसी तरह अधिकारियों ने न्यूजक्लिक के पत्रकारों के घर और दफ्तरों पर छापेमारी की इसमें तीस्ता सीतलवाड़ भी शामिल हैं,जिन्होंने साल 2002 में हुए गुजरात दंगों के समयएक धर्म विरोधी हिंसा पर रिपोर्टिंग की थी। रिपोर्ट के मुताबिक़ साल 2023 में भारत में ग़ैर सरकारी संगठनों नेएक विशेष धर्म के ख़िलाफ़ हिंसा की 687 घटनाओं का ज़िक्र किया, जिसमें लोगों को धर्मांतरण क़ानून के तहत हिरासत में रखा हुआ है।इन घटनाओं के कुछ उदाहरण भी रिपोर्ट में दिए गए हैं। धार्मिक स्वतंत्रता वाली इस रिपोर्ट में मणिपुर हिंसा का भी ज़िक्र है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून 2023 में मणिपुर राज्य में हिंसा हुई, जिसके चलते हज़ार लोगों को विस्थापित होना पड़ा।रिपोर्ट के मुताबिक़ इस हिंसा के लिए देश के गृह मंत्री को बड़े पैमाने पर आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें यूएन के विशेषज्ञ भी शामिल थे।उनका कहना था कि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई।इसके अलावा मणिपुर में जारी हिंसा के चलते देश को अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा

किशन सनमुख़दास भावनानी

चर्चाओं के बीचः अदाकारा नोज़ा शेख

बैंकॉक/थाईलैंड में आयोजित इंटरनेशनल इंफ्लुएंसर अवॉर्ड 2024 समारोह में बिग बॉस फेम अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा के द्वारा 'बेस्ट मॉडल' अवार्ड से सम्मानित किए जाने के बाद अदाकारा व मॉडल नोज़ा शेख इन दिनों सुर्खियों में हैं। नोज़ा शेख कई फैशन शो की वह ब्रांड एंबेसडर रही हैं। फिल्म 'तनु वेड्स मनु' और 'सावधान इंडिया क्राइम शो' में अभिनय करने के साथ साथ उन्होंने कई मॉडलिंग शो और रैम्प वॉक किया है। लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की मूल निवासी नोज़ा शेख अपनी माँ को अपना आदर्श मानती हैं वह कहती है कि जिंदगी के हर मोड़ पर उसकी माँ ने उनका साथ दिया।

जो हिंदी और पंजाबी भाषा में होंगे। बतौर मॉडल और फैशन आइकॉन नोज़ा शेख कई अवार्ड से सम्मानित हो चुकी हैं जिनमें मिस यूपी 2015, मिस लखनऊ 2014, राष्ट्रीय रत्न सम्मान, बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, नारी शक्ति सम्मान, लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड उल्लेखनीय हैं। नोज़ा को बचपन से ही मॉडलिंग और अभिनय का शौक रहा। रंगमंच में भी वह काम कर चुकी है साथ ही अपने अभिनय कौशल में विकास के लिए अनुपम खेर एक्टिंग अकेडमी अभिनय की बारीकियों को सीखा है। तनिक्स, टाइटन, मैक्स जैसी कई कंपनियों की विज्ञापनों में वह काम कर चुकी है। फिलवक्त नोज़ा शेख 'स्टाइल एजेंट' कंपनी और दुबई की रूमी एनर्जी ड्रिंक की भी वह भारतीय ब्रांड एंबेसडर हैं।

प्रस्तुति -काली दास पाण्डेय

सिम कंपनीयों की मनमानी, खराब सर्विस के बाद भी बढ़ा दिए टैरिफ़ प्लान के दाम

पंकज कुमार मिश्रा, व्यंग्यकार / पत्रकार जौनपुर, यूपी

वोडा, जियो और एयरटेल ने अपने ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है जिसके बाद उनके यूजर्स अब इन कम्पनीयों से नाराज दिख रहें। आपको बता दें की इन सिम और मोबाईल नेटवर्क कम्पनीयों ने यूजर्स को लूटने का पूरा खाका तैयार किया है जिसके तहत टैरिफ़ और डेटा पैक की कीमतों को 25त्न तक बढ़ा दिया गया और अब महीने के दिन घटाकर 21 करते हुए न्यूनतम डेटा अनलिमिटेड दो जीबी प्रतिदिन पैक की कीमत लगभग तीन सौ रुपए कर दिए है जिसके बाद सोशल मिडिया पर इन कम्पनीयों को ट्रोल किया जा रहा। एक यूजर ने तो यहां तक लिखा की आकाश अंबानी के शादी का खर्च अब ग्राहकों से वसूलेगी जीओ। वहीं एयरटेल के उपभोक्ता सिम दूसरी कंपनी में पोर्ट कराने की बात कर रहें। ग्राहकों के विरोध के चलते इन कम्पनीयों को भारी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। सिम कंपनी के दिए झटको के बाद आम और मध्यम तबके के लोग अब इंटरनेट उपयोग को कम करने की बात कह रहें, हालाँकि इन सिम कम्पनीयों के महंगे किए टैरिफ प्लान, 3 जुलाई से होंगे लागू। देश की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी जीओ ने प्रीपेड टैरिफ प्लान की कीमतें बढ़ाने का एलान किया है। जियो के बढ़े हुए टैरिफ प्लान 3 जुलाई से शुरू होंगे। कंपनी का बेस प्लान जो पहले 155 रुपये का था, वो बढ़कर 189 रुपये का हो जाएगा। रिलायंस जियो ने 17 प्रीपेड और 2 पोस्ट पेड प्लान की कीमतें बढ़ाई हैं। रिलायंस जियो का बेस प्लान 155 रुपये का है, जिसकी कीमत बढ़कर अब 189 रुपये हो गई है। हालांकि प्लान की वैलेडिटी 28 दिन ही रहेगी। दूसरा प्लान 209 रुपये का है, जिसकी कीमत बढ़कर 249 रुपये हो गई है। इन प्लान की डेटा बेनफिट में कोई भी बदलाव नहीं हुए हैं। इसके साथ ही 239 प्लान जो अनलिमिडेट 5त्न डेटा ऑफर करता है उसकी कीमत बढ़ाकर 299 रुपये कर दी गई है। इस प्लान में यूजर्स को 28 दिन की वैधता मिलती है। टेलिकॉम कंपनियों ने नवंबर 2021 के बाद पहली बार टैरिफ में बड़ा इजाफा किया है। इसका मकसद एवरेज रेवेन्यू पर यूजर बढ़ाना है। जानकारों का कहना है कि टेलिकॉम कंपनियों ने 5जी सर्विसेज के लिए भारी निवेश किया है। मसलन जियो और एयरटेल ने 5जी सेवाएं शुरू करने के लिए दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है लेकिन अब तक उन्हें इस इन्वेस्टमेंट पर रिटर्न नहीं मिला है। मई में एयरटेल के एमडी गोपाल विट्ठल ने कहा था कि इंडस्ट्री का रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड बढ़ाने के लिए टैरिफ में भारी बढ़ोतरी की जरूरत है। मोबाइल टैरिफ के साथ-साथ ब्रॉडबैंड सर्विस का टैरिफ भी बढ़ाया गया है। चारों और गंदगी अव्यवस्था से हम घिरे है । नीट परीक्षा और नेट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों का प्रायश्चित करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जब तक देश, खासकर युवा इस अव्यवस्था और गंदगी के ख़िलाफ़ एकजुट नहीं होगा ।

ग्राहकों के विरोध के चलते इन कम्पनीयों को भारी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। सिम कंपनी के दिए झटको के बाद आम और मध्यम तबके के लोग अब इंटरनेट उपयोग को कम करने की बात कह रहें , हालाँकि इन सिम कम्पनीयों के महंगे किए टैरिफ प्लान, 3 जुलाई से होंगे लागू। देश की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी जीओ ने प्रीपेड टैरिफ प्लान की कीमतें बढ़ाने का एलान किया है। जियो के बढ़े हुए टैरिफ प्लान 3 जुलाई से शुरू होंगे। कंपनी का बेस प्लान जो पहले 155 रुपये का था, वो बढ़कर 189 रुपये का हो जाएगा।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

शहीद को दी गई श्रद्धांजलि

कानपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा में कानपुर के शहीद हुए शैलेन्द्र का शव मंगलवार को ग्राम नौगवा गौतम सरसौल पहुंचा । यहां पर अंतिम दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी। साथ में जिलाध्यक्ष ग्रामीण मुनीन्द्र शुक्ला, विधायक कैंट मोहम्मद हसन रूमी, सर्वेश यादव, योगेंद्र कुशवाहा, आकाश यादव आदि मौजूद रहे।

जनहित में है मौरंग मंडी का स्थानांतरण

गिट्टी,मौरंग व्यापार मंडलाध्यक्ष अन्नू पंडित ने पुलिस प्रशासन के निर्णय का किया समर्थन

कानपुर। हर दिन रोड एक्सीडेंट से जनता को राहत एवं बेकसूरों की रोड एक्सीडेंट में गई जान को लेकर प्रशासन एवं भौती मौरंग गिट्टी व्यापार मण्डल के अध्यक्ष कानपुर नगर के अन्नू पंडित के बीच वार्ता हुई। अध्यक्ष ने बताया कि कानपुर पुलिस कमिश्नरेट और जिला प्रशासन के साथ मिलकर पनकी में स्थित अवैध मौरंग मंडी पर हो रही घटनाएं पर रोक लगाने के लिए पनकी थाना क्षेत्र न्यू ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित मौरंग मंडी के स्थान मे हुआ परिवर्तन अवैध मौरंग मंडी न्यू ट्रांसपोर्ट नगर से पनकी ट्रांसपोर्ट नगर फेस वन में 2 माह के लिए कराई गई है क्योंकि मौरंग मंडी भौती में स्थानांतरण होना है जिसको लेकर कानपुर एडीएम ने स्थान को देख लिया लेकिन व्यापारियों ने पनकी एसीपी टीबी सिंह के साथ मिलकर मौरंग मंडी को दूसरे स्थान पर कराया शिफ्ट मौरंग मंडी के चलते सड़क किनारे मौरंग का होता था। बिखराव जिस कारण अक्सर सड़क हादसे हो जाते थे होते थे बीते दो वर्षों में मौरंग मंडी में हुए 40 से ज्यादा सड़क हादसे एवं एक दर्जन से ज्यादा मौत हो चुकी हैद्यसड़क हादसों पर लगाम लगाने की मंशा से कमिश्नरेट पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन ने व्यापारियों द्वारा उठाए सख्त कदम की सराहना की।

भाजपा वाले फोटो खिंचाते रहे, सपा विधायक ने कर दी मदद

- जम्मू के रियासी में हुए आतंकी हमले में घायल कानपुर के युवक के इलाज में लापरवाही
- सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने 20000 की आर्थिक मदद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बीते दिनों जम्मू के शिवखोड़ी धाम से यात्रा करके लौट रहे श्रद्धालुओं के काफिले पर आतंकी हमला हो गया था। इसमें कानपुर का एक युवक भी जख्मी हो गया था, उसके उपचार के लिए तमाम दावे किए गए लेकिन उसकी मदद नहीं हो सकी । इस दौरान भाजपा के कई नेताओं ने उसके पास जाकर फोटो भी खिंचवाए थे, उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर देखने को मिला। इसमें इलाज न मिलने की बात कर रहा है।

वहीं, आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने आंतकी हमले में घायल जवाहर नगर निवासी दिनेश गुप्ता की आर्थिक मदद की। आपको बता दें कि जम्मू में यात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले में कानपुर जवाहर नगर निवासी दिनेश गुप्ता घायल हो गए थे। दिनेश हैलट अस्पताल उपचार कराने पहुंचे लेकिन यहां आंखों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर न होने के कारण उन्हें केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया। वहां से भी निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

सूचना प्राप्त होने पर आर्य नगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने दिनेश गुप्ता से मिलकर व्यक्तिगत रूप से 20,000 रूपये की आर्थिक मदद की, जिससे एआईआईएमएस दिल्ली जाकर वो अपना ईलाज करा सके। एवं हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। वही मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखकर आर्थिक मदद करने का अनुरोध किया। भाजपा सरकार हर तरह से फेल है न आतंकी हमला रोक पाई, आतंकी हमले में घायल जवाहर नगर निवासी दिनेश गुप्ता का ईलाज भी ना करा पाई। भाजपा के स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक पूरी तरीके निष्क्रिय है। जनता पर न ध्यान देकर दूसरे पार्टी नेताओं को लाने में ज्यादा व्यस्त हैं। गरीब आदमी को स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पा रही है। इस मौके पर नीरज सिंह, संजय सिंह, कृष्णा शर्मा, मालू गुप्ता, राजेंद्र मोबाइल, अजय शुक्ला, आकाश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

पत्रकारों का हुआ सम्मान...

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रेव- 3 चौराहा स्थित पालकी पार्टी लॉन में मानवाधिकार मीडिया कानपुर नगर द्वारा एक शाम पत्रकारों के नाम का सातवां चरण अवॉर्ड फंक्शन 2024 के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि कानपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस बाजपेई, महामंत्री शैलेश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि पूर्व कानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष अवनीश दीक्षित के साथ पूर्व विधायक कैंट रघुनंदन भदौरिया, कानपुर प्रेस क्लब के पदाधिकारी एवम वरिष्ठ समाजसेवी साजिद सर सोसायटी मोटर्स के एम डी रहे। कार्यक्रम मे आये हुए पत्रकारो को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आज के इस कार्यक्रम में बेस्ट अचीवमेंट अवार्ड अभिषेक कठेरिया, बेस्ट रिपोर्टर अवार्ड सौरभ कुमार, बेस्ट कवरेज अवार्ड आबिद अली, बेस्ट एंकर अवार्ड इरशाद अहमद, बेस्ट एडिटर अवार्ड मोहम्मद नफीस को मिला।

आज के कार्यक्रम में उपस्थित मानवाधिकार मीडिया के पदाधिकारी में अनुराग मदान, खालीद अख्तर, सानू सिद्दीकी, राजू यादव, डॉक्टर मुबीन अंसारी, मोहम्मद हसन, अवधेश यादव, मोहमद तलाह, आलोक गुप्ता आदि वरिष्ठ और कनिष्ठ पत्रकारों का सहयोग और सहभागिता रही।

ओवैसी की सांसदी निरस्त कर चुनाव लड़ने पर लगे रोक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुधवार को केशव मधुवन सेवा समिति, केशव नगर की आवश्यक बैठक राजेन्द्र अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें भारत सरकार की अठारहवीं लोकसभा के सपथ ग्रहण समारोह में सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा जय फिलिस्तीन बोल कर भारतीय संविधान का अपमान किया गया इससे जहां एक ओर पूरा देश अपमानित अनुभव कर रहा है, वहीं दूसरी ओर इनकी विश्वसनीयता पर प्रश्चिन्ह लग गया है। राजेन्द्र अवस्थी ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह वो लोग है जो भारत में पैदा हुए, भारत की मिट्टी का अन्न खा कर बड़े हुए, भारत के संसाधनों का उपयोग कर सुखमय जीवन यापन कर रहें है और भारतीय संविधान में मिले अधिकारों की वजह से वर्षों से सांसद बन के सम्मान व सुविधाओ का उपभोग कर रहे हैं पर भारत माता की जय बोलने में तो परहेज करते है किन्तु भारत की संसदीय परंपरा का अपमान करने में उन्हें जरा भी संकोच नहीं है। हम सभी जन भारत सरकार से मांग करते है कि संविधान का अपमान करने वाले सांसद असदद्दुन ओवैसी की संसद सदस्यता तुरन्त निरस्त की जाय और कम से कम दस साल तक चुनाव लडने में रोक लगे। सभा में प्रमुखरूप से श्याम बिहारी शर्मा, राम उत्तम, प्रदीप त्रिपाठी, राधा कृष्ण त्रिपाठी, राज कुमार शर्मा, चंद्र भूषण मिश्रा, योगेश दीक्षित, राम प्रकाश पाण्डेय, बी. के. तिवारी, महेश सिद्धवानी, ओम प्रकाश गौतम, पंकज अग्रवाल, रोजी भाई, सालिग राम शर्मा, कप्तान सिंह, रेखा दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

भाजपा विधायक के कार्यालय पर दिव्यागों ने किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के लोगों ने किया प्रदर्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। विधायक सुरेन्द्र मैथानी की अनुपस्थिति में डी.के.मैथानी को ज्ञापन सौंपकर नौकरियों में आरक्षण मांगा गया है।

दिव्यांगजनों का सरकारी नौकरियों में आरक्षण कोटा पूरा करवाने, सामाजिक समानता कानून बनाकर नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा, सुरक्षा की सौ फीसदी गारन्टी देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों में खाट बिछाकर प्रदर्शन कर रही है।

इसी कड़ी में विधायक सुरेन्द मैथानी के कार्यालय पर खाट बिछाकर जोरदार प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सुरेन्द मैथानी के भाई डी.के.मैथानी को सौंपा।

इस दौरान दिव्यांगजन हांथों में तख्ती लिये थे जिसमें लिखा था भिक्षा नहीं रोजगार चाहिए, जीने का अधिकार चाहिए हम अपना अधिकार मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते।

विधायक सुरेन्द मैथानी ने टेलीफोन पर आस्वाशन दिया कि ज्ञापन को मुख्यमंत्री के पास पहुंचा कर मांगो को पूरा करवाने की पुरजोर कोशिश करूंगा।

वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को दिव्यांगजनो के प्रति उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराने लिये आन्दोलन किया जा रहा है7 जब तक दिव्यांगजनों की मांगे पूरी नहीं हो जाती तब तक इसी तरह जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों पर प्रदर्शन जारी रहेगा।

वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि दिव्यांगजन नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा, सुरक्षा के लिये इधर उधर घूम रहे है वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि दिव्यांगजन के अन्याय के खिलाफ राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी सड़क पर उतर चुकी है सरकार न चेती तो परिणाम गम्भीर होंगे। आज के प्रदर्शन में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के जिला अध्यक्ष अलावा राहुल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी अल्पना कुमारी, अशोक कुमार, अरविन्द सिंह, गुड्डी दीक्षित, वैभव दीक्षित, तृप्ति खरे, जौहर अली, राजेश शुक्ला, रोली शुक्ला, अनुराधा गुप्ता, सीमा कुशवाहा, गोमती, याशमीन, सरला, कमलेश कुमार सिंह, अर्जुन कुमार आदि शामिल थे।

हाउस टैक्स को लेकर मेयर ने लगाई अफसरों की क्लास

- मेयर ने कर निर्धारण अधिकारियों से कहा कि प्राइवेट स्कूलों, फ्लैटस और कमर्शियल यूज वाले सभी घरों पर टैक्स लगाया जाए
- राजस्व वसूली के संबंध में महापौर प्रमिला पाण्डेय द्वारा की गई बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में जोन-2 एवं जोन-3 की राजस्व वसूली के सम्बन्ध में महापौर प्रमिला पाण्डेय द्वारा बैठक आहूत की गयी ।बैठक में मो0 आवेश, अपर नगर आयुक्त ने अवगत कराया कि 01 अप्रैल 2024 से दिनांक 30 जून 2024 तक राजस्व वसूली के लक्ष्य 5 करोड़ 43 लाख के सापेक्ष 2 करोड़ 64 लाख की वसूली हुई है ।अनिरूद्ध सिंह, जोनल अधिकारी, जोन-2 ने अवगत कराया कि 01 अप्रैल 2024 से दिनांक 30 जून 2024 तक राजस्व वसूली का लक्ष्य 8 करोड़ के सापेक्ष 5 करोड़ वसूली हुई है। महापौर ने निर्देशित किया कि पूरे शहर में अपार्टमेन्ट बन रहे है, किन्तु कर दायरे में नहीं लाया जा रहा है, जिसके कारण नगर निगम को राजस्व की हानि हो रही है सभी अपार्टमेन्ट को कर के दायरे में लाया जाये। महापौर द्वारा गुलमोहर अपार्टमेन्ट, जाजमऊ में लगभग 500 फ्लैट बने है, उसमें कितनो का कर निर्धारण है सम्बन्ध में पूछे जाने पर नीतेश, राजस्व निरीक्षक ने अवगत कराया कि 50-60 का कर निर्धारण हुआ है ।महापौर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि 500 फ्लैट में केवल 50 का ही क्यों किया गया ? महापौर ने जोनल अधिकारी, जोन-2 को निर्देशित किया सभी फ्लैटो का कर निर्धारण कर अवगत कराये ।महापौर ने निर्देशित किया जो भी भवन/फ्लैट कर के दायरे में नहीं आये है, उन्हें कर के दायरे में लाया जाये और वसूली हेतु क्षेत्र में कैम्प लगाये साथ ही कानपुर नगर में लगभग लगभग 800 विद्यालय है और प्राईवेट स्कूलों द्वारा ज्यादा शुल्क लिया जाता है, किन्तु नगर निगम में धन नहीं आता है, प्राईवेट स्कूलों को भी कर के दायरे में लाया जाये नगर निगम द्वारा यदि नगर निगम द्वारा टैक्स लिया जायेगा, तो जल कल को भी जल एवं सीवर के मद में राजस्व प्राप्त होगा। महापौर के निर्देश के क्रम में मो0आवेश, अपर नगर आयुक्त ने राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित किया कि जी0आई0एस0 सर्वे की रिपोर्ट लेकर क्षेत्र में सत्यापन कार्य करें। बैठक में मो0आवेश, अपर नगर आयुक्त एवं जोन-2, जोन-3 के समस्त कर अधीक्षक, राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे।

बंद पड़ी फैक्ट्री से जालसाजों ने लाखों का माल उड़ाया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गजनेर थाना क्षेत्र मे सेटर्न ऑर्गनिक्स प्रा0लि0 कम्पनी की फैक्ट्री मे लाखो रुपये का माल चोरी कर लिया गया। चोरी का आरोप कम्पनी के ही अन्य निदेशक राजेश गुप्ता, रीशा गुप्ता व उनके पुत्र पर है। फैक्ट्री पर न्यायालय का स्थगनादेश प्रभावी था जिसके कारण वह लगभग चार वर्षो से बंद पड़ी थी। चोरी के आरोपियों पर पूर्व ने भी कम्पनी के अन्य निदेशकों के फर्जी हस्ताक्षर कर करोड़ो रुपयेआ की धोखाधडी के आरोप है। जिसके अनेक मुकदमे कानपुर नगर व अन्य प्रदेशो मे दर्ज है। सेटर्न ऑर्गनिक्स कि औद्योगिक इकाई गजनेर के डी-81ग्रोथ् सेंटर मे है, अंतर्राजयी जलसाजी के आरोपी व कम्पनी के निदेशक राजेश गुप्ता, रीशा गुप्ता ने अपने परिवार के साथ मिल कर दो अन्य निदेशकों शशांक दीक्षित व अनिल कुमार बाजपेयी के फर्जी हस्ताक्षर करके धोखाधडी से करोड़ो रुपये गबन कर लिया था। जिसका मुकदमा एन0सी0एल0 टी0 न्यायालय मे विचाराधीन है, साथ न्यायालय ने कम्पनी की सम्पति पर यथास्थित बनाये रखने की निषेधाज्ञ लागू कि है। पिछले दिनों मौका पाकर जालसाजी के उपरोक्त आरोपियों ने बंद पड़ी फैक्ट्री का ताला तोड़ कर दो वाहनों मे लाखो का माल लाद कर फरार हो गये घटना का पता चलने पर फैक्ट्री के निदेशक शशांक दीक्षित ने थाना पुलिस एवं अधिकारियों को तहरीर दी घटना 8 जून की है, किन्तु समाचार लिखे जाने तक मामले की प्राथमिकी दर्ज नही की गयी है पुलिस का कथन है अभी जाँच चल रही है।

कानपुर देहात में सीयूजी फोन बने खिलौना

कई अफसर और कर्मचारी नही उठाते हैं फोन

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश कानपुर देहात में हवा हवाई साबित

कानपुर। जनपद कानपुर देहात में अधिकारियों के सी यू जी फोन नंबर सफेद हाथी साबित हो रहे हैं ।आम जनता का फोन उठाना तो दूर जिले के अधिकारियों के फोन भी अधिकारी नहीं उठा रहे। ऐसी स्थिति में आप कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि जिले में जिला प्रशासन जनता के हित में पूरी तरह से कार्य कर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश कि सभी सीयूजी मोबाइल पर अधिकारी उपलब्ध रहेंगे व लोगों की समस्याओं का निराकरण कर उनसे वार्ता करेंगे लेकिन अधिकारियों के फोन सफेद हाथी साबित हो रहे हैं ।जब जिले के अधिकारी भी एक दूसरे का फोन नहीं उठा रहे हैं तो ऐसी स्थिति में आम जनता का फोन कैसे उठता होगा व आम जनता को न्याय मिलता होगा। यह बात जनपद के पत्रकारों व आम जनमानस में चर्चा का विषय बनी हुई है। जिले के कुछ अफसरों जल निगम के अधिशासी अभियंता, मुतैहरापुर के अवर अभियंता, ग्रामीण विकास के अधिकारों और कई विभाग के अफसर मीडिया बन्धु का फोन जान बूझकर नही रिसीव करते हैं। जिससे सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर साफ तौर पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

रोडवेज की टक्कर से बाइक सवार पत्रकार की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। एक निजी न्यूज़ चैनल के पत्रकार मौजमपुर निवासी रजनेश कठेरिया रसूलाबाद से घर जा रहा था तभी सामने से आ रही रोडबेज बस ने टक्कर मारते हुए कानपुर की ओर चली गई क्षेत्रीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी आनन फानन में मौके पर पुलिस ने पुहुचकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद पहुंचाया जहां डा. सौरभ शाक्य ने मृत बताया यह सुन सभी साथियों के होश उड़ गए और परिजनों को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पिता रामसेवक, मां कुसुमा देवी, भाई राघवेंद्र, पत्नी सोनम व 7 साल का बेटा ऋषभ और रिश्तेदार संबंधियों के साथ पहुंचते ही कोहराम मचगया क्षेत्रीय लोगों और पत्रकार साथियों में शोक की लहर दौड़ गई साथ मौके पर रसूलाबाद प्रभारी मुकेश कुमार सोलंकी ने पहुंचकर परिजनों को समझते हुएं शव का पंचनामा कराते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

पत्रकारों ने जताया शोक

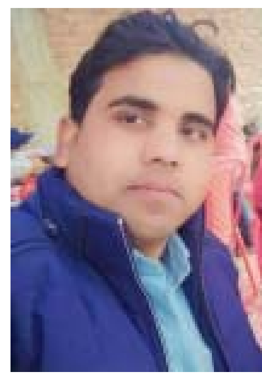

ईश्वर से परिजनों को हिम्मत और साहस प्रदान करें संतोष गुप्ता, स्वराज इंडिया के जिला संवादाता शंकर सिंह, राजीव शुक्ला, सचिन, ज्ञान सिंह, मसरूफ नवाज, आरिफ़ मोहम्मद, अतुल त्रिपाठी, प्रताप नारायण दीक्षित, सुरेंद्र मिश्रा, रवि गुप्ता, योगेंद्र यादव शीबू, रजनीश बाजपेई, अमित पांडे, विशाल सिंह, लाला राठौर, अनुराग बाजपेई, हरिकिशन, सोनू सिंह, रमन सिंह, रोहित पांडेय, शैलेंद्र, राहुल राजपूत आदि पत्रकार साथी लोग उपस्थित रहे।

भाजपा नेता पर कार्रवाई न करने से नाराज सपा कार्यकर्ता

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चेकिंग के दौरान भाजपा नेता द्वारा अखिलेश यादव पर अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष शादाब आलम के नेतृत्व में गोविंद नगर थाना पहुंच कर भाजपा नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। थाना गोविंदनगर अंतर्गत वाहनों की चेकिंग की जा रही थी तभी भाजपा नेता शैलेंद्र त्रिपाठी अपने वाहन समेत वहां से गुजर रहा था तभी पुलिस द्वारा रोके जाने पर उसने सत्ता का रॉब दिखाते हुए पुलिसकर्मियों संग अभद्र भाषा का प्रयोग किया एवं पुलिस को समाजवादी पुलिस बताते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय अखिलेश यादव जी को अपशब्द कहे मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड कानपुर महानगर इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा के साथ आपसे कार्यवाही की मांग करता है की तुरंत इस व्यक्ति के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही कर मुकदमा दर्ज किया जाए क्योंकि इससे पुलिस की भी छवि धूमिल हुई है क्यूंकि पुलिस तो मात्र अपना कार्य कर रही थी अन्यथा हम सब आंदोलन को बाध्य होंगे ।

इस अवसर पर ग्रामीण अध्यक्ष सौरव ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष विनय गुप्ता, लोहिया वाहिनी अध्यक्ष महानगर दीपक खोटे, पूर्व अध्यक्ष नसीम अहमद, संतोष यादव, वरिष्ठ नेता मुकेश गुप्ता, अली अब्बास, राहुल यादव, अमन कुमार, शहाबुद्दीन कुरैशी, निहाल, अहमद यासीन, निहाल यादव, विशाल सिंह, शाहजेब अहमद, विकास वर्मा, जीतू तिवारी, धीरज यादव, भरत फैसल आदि लोग रहे।

छावनी बोर्ड के सदस्य लखनलाल ओमर पर लगा गुंडागर्दी का आरोप

बीपीएस न्यूज

नपुर। भाजपाईयों पर जहां मनमानी करके अनुशासन तोडने के आरोप लग रहे हैं। वहीं, भाजपा नेता और छावनी बोर्ड में नामित सदस्य लखनलाल ओमर पर एक बुजुर्ग ने मारपीट और गाली गालौज करने का आरोप लगाया गया। मामले की शिकायत स्थानीय कैंट पुलिस से की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है ।रेलबाजार थाना क्षेत्र के निवासी 64 वर्षीय पीडित कैलाशचंद्र जैन पुत्र कल्याणचंद ने थाना कैंट कानपुर में दिए गए प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया है कि 28 जून 2024 को करीब 12.40 बजे वह छावनी परिषद के कार्यालय में समस्याओं को लेकर गया था। सफाई अधीक्षक के कार्यालय में समस्या बता रहा था, तभी लखनलाल ओमर आ धमके। बकौल पीडित, उन्होने देखते ही गाली गालौज करने लगे। विरोध करने पर गिराकर पीटा। इसके बाद धमकाया कि अब दोबारा यहां न दिख जाना, बहुत बडा नेता बनता है। पीडित का कहना है कि उसकी जान का खतरा है उसको सुरक्षा दी जाए। इसके पूर्व भी लखनलाल ओमर कैंट के अधिकारियों से मारपीट में अभियुक्त बन चुके हैं। वहीं,

इस मामले में लखनलाल ओमर ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यह विरोधियों की साजिश है ।एसएचओ कैंट ने बताया की प्रार्थना पत्र की जांच गंगा घाट चौकी इंचार्ज को दी गई है। जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी, दूसरी तरफ से भी शिकायत की गई है।

जल संरक्षण अभियान चला रही कला मंच संस्था

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कला मंच संस्था कानपुर दक्षिण द्वारा भागीरथ प्रयत्नम जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत राम जानकी मंदिर बर्रा के पास आयोजित जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत जल की महत्ता के विषय पर और उसकी उपयोगिता पर चर्चा हुई। साथ ही जल की बर्बादी ना हो उसको संरक्षित किया जाए उस पर शपथ ली गई ।इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ अभिषेक दीक्षित वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक बर्रा कानपुर उपस्थित रहे जिन्होंने सभी से आहावान किया की अपने आस पास जल को संरक्षित करने का संकल्प लें और मिलजुलकर जल बचाने के लिए आगे आए, उपरोक्त अवसर पर कला मंच कानपुर दक्षिण के अध्यक्ष पीयूष मिश्रा ने बताया की संस्था निरंतर एक जून से एक जूलाई तक जल संरक्षण पर अभियान चला रही है जहां पर एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में पानी की बर्बादी को रोककर पानी की बचत करने का आह्वान करते हैं जिसमे गाड़ियों को रोज न धोएं, नल को लगातार चालू न रखें, सडक पर पानी व्यर्थ न छिड़कें, रोज की दिनचर्या मे पानी की अनावश्यक खर्च को कम करें बरसात के मौसम मे प्रत्येक व्यक्ति कम से कम 5-10 पेड़ जरूर लगाये आदि बातों को प्रमुखता से भागीरथ प्रयत्नम पोस्टर वितरित करते हुए लोगों तक रखा जा रहा है ।महत्वपूर्ण अवसर पर अभय मिश्रा संस्थापक कला मंच ने कहा की यदि सभी लोग एकजुटता से जल संरक्षण अभियान में साथ दें तो भविष्य मे सूखे की संभावना ना के बराबर रहेगी और पानी बचाकर पानी पूरा होगा और अगली पीढ़ी को भी पानी मिल सकेगा क्योंकि जल ही जीवन का आधार है। उपरोक्त अवसर पर महासचिव प्रभा मिश्रा, अर्चना मिश्रा, अशोक कुमारी, ललित दीक्षित, अंकुर और अन्य क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

OPS को लेकर योगी सरकार का बड़ा ऐलान

28 मार्च 2005 के पूर्व जारी विज्ञापन से नियुक्ति शिक्षकों कर्मचारियों को मिलेगी पुरानी पेंशन

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक के बाद राज्य के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 28 मार्च 2005 से पहले जिन नौकरियों के मामले में विज्ञापन हुआ था उन लोगों को ओल्ड पेंशन स्कीम दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

बता दें उत्तर प्रदेश में सरकारी कर्मचारी लंबे समय से पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली की मांग कर रहे हैं जिसमें पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए अटेवा लगातार प्रदर्शन कर रहा है और अब सरकार ने शर्त के साथ कर्मचारियों की मांग मान ली है। योगी सरकार के मुताबिक 28 मार्च 2005 के पहले तक जिन नौकरियों या भर्तियों का विज्ञापन जारी किया गया था और उनकी भर्ती प्रक्रिया पूरी हो गई है उन चयनित कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का विकल्प दिया जाएगा। यूपी सरकार की अधिसूचना के मुताबिक 28 मार्च 2005 से लेकर उसके बाद सूबे में ज्वाइन करने वाले सभी राज्यकर्मी न्यू पेंशन स्कीम के ही दायरे में रहेंगे उन्हें ओल्ड पेंशन स्कीम का कोई लाभ नहीं मिलेगा। गौरतलब है कि 2004 के बाद से नई पेंशन स्कीम पूरे देश भर में लागू है। कुछ राज्यों ने ही पुरानी पेंशन को वापस लौटाने का प्रक्रिया शुरू की है। ओल्ड पेंशन स्कीम चुनाव के दौरान भी मुद्दा रहा। सपा और कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सरवनखेड़ा कानपुर देहात के मंत्री अभिषेक द्विवेदी ने पुरानी पेंशन बहाली के आदेश की सराहना की है। उन्होंने कहा कि आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने 28 मार्च 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों पर पुरानी पेन्शन बहाल कर दी है। उसका उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ स्वागत करता है साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि जल्द ही प्रदेश के समस्त शिक्षकों कर्मचारियों को पुरानी पेन्शन का लाभ प्रदान करें।

अयोध्या में टाटा समूह बनाएगा इंटरनेशनल मंदिर संग्रहालय

अयोध्या। टाटा संस कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी (सीएसआर) फंड से अयोध्या में 750 करोड़ से विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय (भारतीय मंदिर संग्रहालय) का निर्माण कराया जाएगा।इसमें भारतीय संस्कृति के उद्भव से लेकर आज तक की चीजों का संयोजन और संग्रह किया जाएगा। जबकि पर्यटन विभाग की ओर से इसके लिए 25 एकड़ भूमि निशुल्क दी जाएगी।

पर्यटन विभाग एक रुपये की लीज पर यह जमीन पहले 90 फिर 90 वर्ष के लिए देगा।यहां पर आने वाले पर्यटकों को रोकने और पर्यटन के अन्य स्रोत बढ़ाने पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। इसी क्रम में उसकी तरफ से भारतीय मंदिर संग्रहालय की कार्य योजना तैयार की गई है। इसमें वेद, रामायण, मंदिर-पूजा पद्धति से जुड़ी प्रामाणिक चीजें, उनके उद्भव, संस्कृति, इसके लाभ आदि के बारे में विस्तृत तरीके से जानकारी उपलब्ध होगी।इसमें जहां पौराणिक जानकारी होगी, वहीं उनका आधुनिक वर्जन भी होगा। राम की पैड़ी से गुप्तार घाट के पास इसके लिए 25 एकड़ जमीन टाटा को दी जाएगी।बता दे कि टाटा सीएसआर फंड से 650 करोड़ आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं पर खर्च करेगा। इससे युवाओं, विदेशी पर्यटकों, भारतीय संस्कृति और सभ्यता में रुचि रखने वालों अन्य पर्यटकों को आकर्षित करेगी।

अयोध्या में विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण से न सिर्फ अयोध्या बल्कि प्रदेश के अन्य स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे प्रदेश में राजस्व व रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई मामले में सुनाया फैसला

दिल्ली की एक अदालत ने 2021-22 की उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोपों के सिलसिले में शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।केजरीवाल को मामले के सिलसिले में 26 जून को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था।उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया।अपनी गिरफ्तारी के समय, केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे।शनिवार को सुनवाई के दौरान केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील विक्रम चौधरी ने अदालत को बताया कि मामले की जांच 2022 से चल रही है।केजरीवाल को मार्च 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी। सुनवाई की आखिरी तारीख पर उन्होंने (सीबीआई ने) कहा था कि उन्होंने जनवरी में साक्ष्य एकत्र किए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अप्रैल में मंजूरी प्राप्त कर ली थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मुझे पहले गिरफ्तार नहीं किया था क्योंकि वे सुप्रीम कोर्ट तक नहीं पहुंचना चाहते थे।उन्होंने (सीबीआई) सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक बयान भी दिया है कि वे 3 जुलाई तक जांच पूरी कर लेंगेज्मैं प्रार्थना कर रहा हूं कि कृपया आईओ (जांच अधिकारी) से कहें कि वे जो भी कह रहे हैं, महामहिम उन्हें पकड़ लें।

यूपी पुलिस घर आकर दर्ज करेगी एफआईआर थाने के चक्कर काटने से मिलेगा छुटकारा

उत्तर प्रदेश पुलिस ने आम लोगों को एफआईआर दर्ज कराने में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है. अब किसी प्रकार की घटना को लेकर एफआईआरदर्ज करवाने के लिए पुलिस चौकी या थाने जाने की जरूरत नहीं है. बल्कि यूपी पुलिस ही घर आकर एफआईआर दर्ज करेगी. उत्तर प्रदेश पुलिस फिलहाल कानपुर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस नई व्यवस्था को दिव्यांगों औरसीनियरसिटीजन के लिए शुरू करने जा रही है.इस नई व्यवस्था में डायल 112 के पुलिसकर्मी पहले की तरह ही घटना स्थाल पर पहुंचेंगे. इसके बाद वहां मौजूद दोनों पक्षों से बात कर लिखित बयान लिए जाएंगे. इसके बाद पुलिसकर्मी दोनों पक्षों या एक पक्ष से शिकायत पत्र लेकर उसे घटना स्थल से ही मोबाइल से फोटो लेकर थाना प्रभारी को भेजेंगे. थाने में मौजूद पुलिसकर्मी कुछ ही देर में डायल 112 के पुलिसकर्मी को एक एफआईआर की कॉपी का फॉर्मेट भेजेंगे. इस कॉपी में धाराएं भी लिखी होंगी. इस तरह किसी भी प्रकार की घटना को लेकर एफआईआर दर्ज करवाने के लिए अब आम लोगों को चौकी, थाने या फिर किसी अन्य अफसर के दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे.

कानपुर में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत शुरुआत

कानपुर के डीसीपी क्राइम आशीष श्रीवास्तव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया, जल्द ही कानपुर में यह सेवा पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरू की जाएगी. इससे आम लोगों को थानों के चक्कर लगाने से निजात तो मिलेगी ही साथ ही लोगों का पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा. हालांकि, पुलिस की यह नई योजना सिर्फ लड़ाई, चोरी, झगड़ों, सड़क दुर्घटना से संबंधित केस के लिए ही लागू होगी. पुलिस मुख्यालय के मुताबिक, यदि कानपुर में यह सफल रहता है तो उसे अगस्त माह तक पूरे राज्य में लागू किया जाएगा.

स्कूलों में मनाया जाएगा बच्चों का जन्मदिन

कानपुर। परिषदीय स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ बच्चों का पंजीयन व उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षक नियमित रूप से अभिभावकों से संवाद कर रहे हैं।

माह में एक बार होने वाली बैठक में भी उन्हें बुलाया जा रहा है। बच्चों का विद्यालय से जुड़ाव बढ़ाने के लिए अब उनका जन्मदिन भी मनाया जाएगा। यह आयोजन प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को होगा।उस दिन उस माह में जन्म लेने वाले सभी बच्चों का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। बच्चों के माता-पिता को भी आमंत्रित किया जाएगा। यह सब बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इसके तहत ग्रीष्मावकाश तथा शीतकालीन अवकाश में घर पर सीखने की क्षमता बढ़ाने के लिए भी बच्चों को गृह कार्य दिए जाएंगे। आवश्यकता के अनुसार प्रोजेक्ट कार्य भी कराने होंगे। बीएसए के अनुसार बच्चों की नियमित उपस्थिति स्कूलों में बढ़ने पर ही शैक्षिक स्तर बढ़ेगा।

निजी स्कूलों की तरह प्रत्येक विद्यालय वार्षिक उत्सव, बच्चों का जन्मदिन मनाने के साथ साथ छात्रों को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। नए सत्र में अभिभावक शिक्षक बैठक में नियमित उपस्थित होने वाले बच्चों के अभिभावकों की विशेष रूप से सराहना की जायेगी तथा कम उपस्थिति वाले बच्चों के अभिभावकों का विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त शिक्षा चौपाल के दौरान विद्यालय में कार्यरत उत्कृष्ट योग्यताधारी शिक्षकों, शैक्षणिक रणनीति, समय सारिणी, संदर्शिका, टीएलएम, पुस्तकालय, प्रिंट रिच सामग्री, बिग बुक्स, गणित एवं विज्ञान किट, आकलन के तरीके, रिपोर्ट कार्ड तथा खेलकूद सामग्री आदि का प्रदर्शन करते हुए अभिभावकों एवं जन समुदाय को जागरूक किया जाएगा।

टी 20 वर्ल्ड कप : सच हुई जय शाह की भविष्यवाणी

बारबाडोस के मैदान पर रोहित ने गाड़ा तिरंगा, चार महीने पहले किया था दावा

भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। भारत ने जैसे ही जीत दर्ज की उसी क्षण रोहित मैदान पर बैठ गए और जोश में चिल्लाने लगे।ये जीत कितनी खास थी उसका अंदाजा खिलाड़ियों के भावुक तस्वीरों को देखकर ही लगाया जा सकता है। जीत के बाद सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह की उस भविष्यवाणी को याद किया जा रहा है जिसमे उन्होंने रोहित की कप्तानी में बारबाडोस के मैदान पर तिरंगा गाड़ने का दावा किया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर 11 साल का आईसीसी खिताब जीतने का सूखा समाप्त कर लिया। भारत ने इससे पहले आखिरी बार 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद से टीम अब तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सकी थी।2013 के बाद 2014 टी20 विश्व कप के फाइनल, 2015 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल, 2016 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल, 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल, 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल, 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल, 2021 टी20 विश्व कप, 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल, 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को निराशा मिली थी। हालांकि, आखिरकार भारतीय टीम चैंपियन बनने में सफल रही।

दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में हराया

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 34 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद विराट कोहली (76) ने अक्षर पटेल (47) और शिवम दुबे के साथ गजब की बल्लेबाजी की। विराट ने अक्षर के साथ 72 रन और शिवम के साथ 57 रन की साझेदारी निभाई और टीम इंडिया को चैंपियन बनने में मदद की। ऐसा ही गेंदबाजी के समय हुआ था, जब हेनरिक क्लासेन ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से मैच को दक्षिण अफ्रीका के पाले में डाल ही दिया था। तभी हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने कमाल की गेंदबाजी की दक्षिण अफ्रीका के जबड़े से जीत छीन ली।

जय शाह ने भारत और इंग्लैंड के बीच फरवरी में राजकोट में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच से पहले भविष्यवाणी की थी। दरअसल, जय शाह एससीए स्टेडियम का नाम निरंजन शाह स्टेडियम किए जाने के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने उस वक्त कहा था, %सभी लोग विश्व कप को लेकर मेरे बयान का इंतजार कर रहे हैं। 2023 में लगातार 10 मैच जीतने के बावजूद भारत वनडे विश्व कप नहीं जीत सका था, लेकिन हमने दिल जीते थे।मैं वादा करता हूं कि 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में हम बारबाडोस में भारत का झंडा गाड़ेंगे।% दिलचस्प बात यह रही कि जब शनिवार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने अंत में टीम को अविश्वनीय जीत दिलाई तो उस वक्त खुद जय शाह वहां मौजूद थे और जीत के बाद अपनी भावना व्यक्त करने से खुद को नहीं रोक सके।

चार महीने बाद जय शाह की भविष्यवाणी सही साबित हुई और रोहित ने बारबाडोस के केंसिंग्टन मैदान पर खिताबी जीत के बाद भारत का तिरंगा गाड़ा। भारत के चैंपियन बनने के बाद रोहित भारतीय तिरंगा लेकर मैदान पर आए और उन्होंने भारत का झंडा वहां गाड़ा।इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और खुद जय शाह भी रोहित के साथ मौजूद दिखे।

रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा

भारत की खिताबी जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय से अलविदा कहने का एलान किया।इससे पहले विराट कोहली ने भी मैच के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने की घोषणा की थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में पांच वानरों की मौत

पोस्टमार्टम के बाद वन्य विभाग ने वानरों का कराया अंतिम संस्कार

लखनऊ/मलिहाबाद। मलिहाबाद कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत वन्यरेंज में पांच वानरों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची वन विभाग टीम ने वानरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए लिए भेज दिया है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। लिहाजा, विसरा सुरक्षित रखा गया है। पोस्टमार्टम के बाद वनविभाग ने वानरों का अंतिम संस्कार कर दिया है। दरअसल, शनिवार को महमूदनगर गांव से बड़ीगढ़ी जाने वाले संपर्क पर ग्रामीणों ने पांच वानरों को मृत अवस्था में देख फौरन पुलिस कंट्रोल रूम के अलावा वन विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही संयुक्त टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। इसके बाद वन्य विभाग ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य एकत्र कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी नीरज गुप्ता ने बताया कि वानरों का पोस्टमार्टम कराया गया है।

पांचों वन्य जीव बंदर एक ही परिवार के थे। पोस्टमार्टम के समय सभी के शरीर नीले रंग के हो गये थे। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। लिहाजा विसरा सुरक्षित रखा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। रेंजर सोनम दीक्षित ने बताया कि वन्य जीव बंदरों का पीएम कराने के बाद उनके शवों का अन्तिम संस्कार कर दिया गया है। हालांकि, ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि वानरों को खाद्य पदार्थ में विषैला पदार्थ मिलाकर उनकी हत्या कर दी गई है। जिनसे एक ही कुनबे के पांच वानरों की मौत हो गई। वानरों की मौत से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

नारियल क्रीम के इस्तेमाल से सॉफ्ट और ग्लोइंग बनेगी स्किन

वापस आ जाएगी खोई हुई रंगत

आप घरेलू नुस्खों की मदद से आपकी स्किन का ध्यान रखना चाहते हैं, तो आज हम आपको घर पर नारियल क्रीम क्रीम बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। इसको बनाकर आप घर बैठे अपनी त्वचा को निखार सकते हैं।

लगातार बढ़ते तापमान में लोगों को परेशान कर रहा है। इस मौसम में न सिर्फ सेहत बल्कि त्वचा का भी खास ख्याल रखना पड़ता है। वहीं दिन में बाहर जाने वालों ने भी अपना स्किन केयर करना शुरूकर दिया है। समर सीजन में स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि यदि आप इस मौसम में अपनी त्वचा का ध्यान नहीं रखते हैं, तो आने वाले समय में आपको स्किन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है।

हालांकि आज के समय में स्किन संबंधी परेशानी के लिए पार्लर में स्किन केयर ट्रीटमेंट मिल जाता है। लेकिन अगर आप घरेलू नुस्खों की मदद से आपकी स्किन का ध्यान रखना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर नारियल क्रीम क्रीम बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। इस क्रीम को घर पर बनाना काफी आसान है। इसको बनाकर आप घर बैठे अपनी त्वचा को निखार सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि किस तरह से आप घर पर नारियल की क्रीम बनाकर इसका लाभ ले सकते हैं।

इस क्रीम को बनाने के लिए एक कटोरी में पिघला हुआ नारियल का तेल लें और उसमें एलोवेरा जेल मिक्स करें। जब यह अच्छे से मिक्स हो जाए, तो इसमें अपनी जरूरत के हिसाब के कुछ बूंदे एसेंशियल ऑयल की डालें।

आप चाहें तो एसेंशियल ऑयल की जगह लैवेंडर, पेपरमिंट या साइट्रस तेल भी मिक्स कर सकती हैं। इन सबको अच्छे से मिक्स करें। इस तरह से नारियल की क्रीम बनकर तैयार हो जाएगी।

रूखी त्वचा के लिए फायदेमंद

आप नारियल क्रीम का इस्तेमाल कभी भी कर सकती हैं। बता दें ड्राई स्किन वाले लोगों के लिए यह क्रीम काफी फायदेमंद होती है। इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन मुलायम बनेगी।

कब तक करें इस्तेमाल

इस क्रीम को बनाने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि आप इसको सिर्फ 10 तक इस्तेमाल में ला सकती हैं। वहीं उपयोग में लाने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें।

टैनिंग की समस्या से निजात पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, त्वचा में आएगा निखार

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।

गर्मियों के मौसम में सिर्फ हमें अपनी सेहत का ही नहीं बल्कि बालों से लेकर स्किन तक का खास ख्याल रखना पड़ता है। वहीं बात जब स्किन की आती है, तो इस मौसम में टैनिंग की समस्या आम मानी जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए हम एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इन सनस्क्रीन की मदद से आप ङ्क और ङ्कक्ष जैसी हानिकारक किरणों से तो बच जाते हैं, लेकिन फिर भी हमारी सेंसिटिव त्वचा टैनिंग का शिकार हो जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए गर्मियों में हम सभी हाफ स्लीव और बैकलेस कपड़े नहीं पहन पाते हैं।

सूरज की किरणों से काली हुई स्किन को ठीक होने में समय लगता है। ऐसे में अगर आप भी टैनिंग की समस्या से जल्द से जल्द राहत पाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।बादाम में एमोलिएंट्स और फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो त्वचा को हाइड्रेट करने और पोषण देने में सहायता करता है। धूप से झुलसी स्किन पर बादाम तेल अप्लाई करने से नमी आती है।ओट्स हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह टैन स्किन के लिए भी लाभकारी होता है। यह हमारी त्वचा को एक्सफोलिएट करने के साथ-साथ डेड सेल्स हटाने में सहायता करता है। वहीं छाछ के इस्तेमाल से स्किन कोमल और मुलायम होती है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करना और बनाना बेहद आसान है। इसके साथ ही बादाम का तेल भी सन टैन को दूर करने में फायदेमंद होता है। बादाम तेल से मसाज करना भी लाभकारी होता है। टैनिंग की समस्या को हटाने के लिए बादाम तेल को हाथों पर अच्छे से रगड़ें और फिर स्किन पर मसाज करें। इसको रात भर के लिए लगा रहने दें। आप इसको तब तक लगा सकते हैं, जब तक आपकी त्वचा पहले की तरह ग्लो न करने लगे और टैनिंग की समस्या न खत्म हो जाए।बता दें कि मसूर की दाल में एक्सफोलिएटिंग गुण पाया जाता है। वहीं टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होने के साथ एसिड नेचर होता है। जो आपकी त्वचा में निखार लाने का काम करता है। वहीं एलोवेरा हमारी स्किन को मॉइस्चराइज करने के साथ ठंडक पहुंचाता है।

गर्मियों के मौसम में सिर्फ हमें अपनी सेहत का ही नहीं बल्कि बालों से लेकर स्किन तक का खास ज़्याल रखना पड़ता है। वहीं बात जब स्किन की आती है, तो इस मौसम में टैनिंग की समस्या आम मानी जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए हम एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इन सनस्क्रीन की मदद से आप ङ्क और ङ्कक्ष जैसी हानिकारक किरणों से तो बच जाते हैं, लेकिन फिर भी हमारी सेंसिटिव त्वचा टैनिंग का शिकार हो जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए गर्मियों में हम सभी हाफ स्लीव और बैकलेस कपड़े नहीं पहन पाते हैं।

किचन की इस चीज के इस्तेमाल से घने और लंबे होंगे बाल

कलौंजी हर किचन में मिलती है और इसको अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से कलौंजी वाले पानी से बालों को किस तरह से धोया जा सकता है।घर की बहुत सारी चीजों को घरेलू नुस्खे के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। रसोई में काला मसाला होता है, जो बालों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। कलौंजी हर किचन में मिलती है और इसको अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कलौंजी बालों को बढ़ाने में मददगार होता है।

कलौंजी हेयर डैमज को कम करने, बालों के प्रोटीन स्ट्रक्चर को मजबूत और हेयर फॉलिकल्स को बेहतर करने में कारगर है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से कलौंजी वाले पानी से बालों को किस तरह से धोया जा सकता है।

कलौंजी का पानी

कलौंजी का पानी सिर को धोने के लिए बेहद अच्छा ऑप्शन होता है। इस पानी को तैयार करने के लिए एक बर्तन में पानी लें और इसको उबालें।इस कलौंजी के बीजों को डालकर 15-20 मिनट तक उबालें।अब इस पानी को ठंडा करें और अब इस पानी को अपने स्कैल्प से लेकर बालों की जड़ों में अप्लाई करें। सप्ताह में 2-3 बार इस पानी को हेयर वॉश करने से बालों पर अच्छा असर देखने को मिलेगा और इससे बाल भी लंबे होंगे।

नारियल तेल

नारियल के तेल के साथ कलौंजी के बीजों को बालों पर अप्लाई किया जा सकता है। दो चम्मच कलौंजी का तेल और दो चम्मच नारियल तेल मिलाकर रखें। इन तेलों को मिक्स कर हल्का गर्म करें और रुई को डुबोकर इसको सिर की जड़ों में लगाएं। फिर इस तेल को बालों में 10-15 मिनट तक अप्लाई करने के बाद सिर को धो लें। यह तेल हेयर फॉल को रोकने में अच्छा असर दिखाता है।

मेथी दाने

एक चम्मच कलौंजी के दाने, एक चम्मच मेथी के दाने और 250 मिलीलीटर नारियल के तेल के साथ मिलाएं। फिर इसको आंच पर पका लें। इस तैयार तेल को बालों पर लगाने से बाल झड़ना कम होता है। इस तेल को बनाने का एक दूसरा भी तरीका है। इसके लिए मेथी और कलौंजी के दानों को एकसाथ पीसकर पाउडर बनाएं। फिर इस पाउडर को नारियल के तेल के साथ मिलाकर पकाने पर जो मिश्रण तैयार हो, उसे बालों पर लगाया जा सकता है।

बिना मेहनत चुटकियों में साफ करें किचन में जमी गंदगी

किचन को साफ करना काफी परेशानी और थका देने वाला काम है। लेकिन अगर आप भी किचन को आसानी से चमकाना चाहते हैं, तो हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप गंदे किचन को चुटकियों में साफ कर सकते हैं।

हमारे घर का सबसे अहम हिस्सा किचन होता है। जिसकी साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। किचन में रोजाना खाना बनाया जाता है, जिसके कारण किचन गंदा और चिपचिपा हो जाता

है। वहीं तेल-मसालों के जिद्दी दाग किचन की खूबसूरती को खराब करने का काम करता है। इसलिए किचन की रोजाना और बेसिक साफ-सफाई का खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि अगर आप किचन को रोजाना साफ नहीं करते हैं, तो यहां पर मौजूद गंदगी खाने में आ सकती है और आप बीमार पड़ सकते हैं।वहीं किचन को साफ करना काफी परेशानी और थका देने वाला काम है। लेकिन अगर आप भी किचन को आसानी से चमकाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप गंदे किचन को चुटकियों में साफ कर सकते हैं।

किचन क्लीनिंग के टिप्स

किचन की साफ-सफाई के लिए बेकिंग सोडा एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से किचन की चिकनाहट को साफ किया जा सकता है। इसके लिए बेकिंग सोडा को करीब 10 मिनट के लिए किचन में डाल दें। फिर इसको अच्छे से साफ कर लें।

इसके साथ ही विनेगर से काफी चीजों साफ की जाती हैं। साथ ही आप इससे किचन की गंदगी और चिकनाहट को भी दूर कर सकती हैं।

बता दें कि किचन की सफाई के लिए नींबू भी काफी मददगार हो सकता है। इसके लिए आपको किचन के गंदे वाले हिस्से में नींबू को 5 मिनट लगाकर छोड़ दें। फिर 5 मिनट बाद इसको साफ कर लें।

किचन की चिकनाई को आसानी से साफ करने के लिए आप गरम पानी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह किचन की साफ-सफाई का सबसे अच्छा तरीका है। इससे किचन में लगी चिकनाई आसानी से साफ हो जाएगी। किचन में चिकनाई वाली जगह पर गरम पानी डालें और यह धीरे-धीरे साफ हो जाएगा।

कई बार किचन में तेल की गंदगी और मसालों के दाग व खारे पानी के दाग लग जाते हैं। ऐसे में इन जिद्दी दागों को साफ करने के लिए आप हाइड्रोजन पेरोक्साइड का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे किचन में तेल-मसालों के जिद्दी दाग आसानी से साफ हो जाएंगे और आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

किचन को साफ करना काफी परेशानी और थका देने वाला काम है। लेकिन अगर आप भी किचन को आसानी से चमकाना चाहते हैं, तो हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप गंदे किचन को चुटकियों में साफ कर सकते हैं हमारे घर का सबसे अहम हिस्सा किचन होता है। जिसकी साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए।

पहले दिलाया कब्जा, फिर बुलडोजर से खुद ही गिरवा दिया

कन्नौज जिले के तिर्वा तहसील प्रशासन का बुरा हाल

मामले में संबंधित कानूनगो सवालों के घेरे में ◀◀ मामला ठठिया थाने के जैनपुर रोड का ◀◀ एसडीएम और तहसीलदार के अलावा राजस्व टीम और पुलिस बल रहा मौजूद ◀◀ ग्रामीण बोले, प्रशासन ने पहले दिलाया कब्जा, फिर खुद ही गिरवा दिया।

बीपीएस न्यूज

कन्नौज। कन्नौज जिले कातिर्वा तहसील प्रशासन अपने आदेश खुद ही जारी करता है और खुद ही निरस्त भी कर देता है। एक सप्ताह पहले जिस जमीन की पैमाइश के बाद ग्रामीणों को कब्जा दिलाया गया था, अब उसी जमीन पर तिर्वा तहसील प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया।

बताते चलें कि मामला तिर्वा तहसील के जैनपुर मार्ग का है। पता चला है कि यहां गांव के ग्रामीण धर्मेंद्र कुमार, बिनोद कुमार, देवेंद्र सिंह,गंगाचरण को प्रशासन द्वारा पट्टा किया गया था। इसकी रिपोर्ट शासन को कानूनगो ओम प्रकाश दुबे ने दी थी। ग्रामीण धर्मेंद्र बताते हैं कि उन्होंने तो पट्टे की कीमत भी अदा की थी।फिर जब प्रशासन से अनुमति मिली तो उन्होंने निर्माण कार्य शुरू करवा दिया।

उधर दूसरी ओर बीते शनिवार को ठठिया थाने में आयोजित हुये समाधान दिवस में जब डीएम सुभ्रांत कुमार शुक्ल और एसपी अमित कुमार आनंद पहुंचे तो यहां ग्रामीणों ने इस मामले को अवैध बताते हुये उपरोक्त ग्रामीणों द्वारा कब्जा सरकारी नाले पर किये जाने का आरोप लगाकर शिकायत की। यह भी बताया गया कि अगर कब्जा नहीं हटाया गया तो नाले का पानी विकट समस्या पैदा कर देगा। बरसात में दुकानों और मकानों में पानी घुस जायेगा और बड़ी समस्या पैदा होगी। ग्रामीणों की इस शिकायत और मीडिया द्वारा भी अवैध कब्जे का मामला उठाये जाने के बाद डी .एम के आदेश के बाद तिर्वा प्रशासन ने कानूनगो की दी गई रिपोर्ट के बाद भी जिस आदेश को पहले जारी किया था उसको निरस्त भी कर दिया।मंगलवार को तिर्वा एसडीएम, तहसीलदार, ने राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ पहुंचकर ने उपरोक्त स्थान पर पहुंचकर ग्रामीणों का निर्माण कार्य बुलडोजर से ध्वस्थ करा दिया। पीड़ित ग्रामीणों को तो न्याय नहीं मिला पर सरकारी आदेश की अवज्ञा नहीं की गई। जिस जमीन पर निर्माण का आदेश तहसील प्रशासन ने दिया था, उसी को बुलडोजर से गिरवा दिया गया।

निर्माण कार्य ध्वस्थ कराये जाने के दौरान ग्रामीणों की भीड़ मौके पर डटी रही।

सवाल यह है, कि अगर सरकारी नाले या पट्टे की जमीन पर कब्जा था, या फिर उपरोक्त जमीन पट्टा देने के योग्य नहीं थी, तो फिर इस जमीन के लिये खेल किसने खेला। दोषी कौन है, कानूनगो ने अगर रिपोर्ट गलत दी तो अब तक कानूनगो पर प्रशासन की नजरें इनायत क्यों हैं, पीड़ित ग्रामीणों को बलि का बकरा क्यों बनाया गया ? सवाल कई हैं, पर क्या जवाब लेने वाला कोई है, अगर है तो क्या कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

फिलहाल उपरोक्त पूरे मामले में हरे नोट भी चले, पर किसको किसको मिले ये तो जांच का विषय है, जो सच उजागर होनी के बाद ही सामने आ सकेगा।

कश्यप समाज का ग्रुप बनाकर पूरे समुदाय से की गई ठगी

◀◀ कश्यप समाज का ग्रुप बनाकर पूरे समुदाय से की गई ठगी ◀◀ सरकारी योजनाओं के नाम पर संगठन के संस्थापक शरद वर्मा पर लाखों की ठगी का लगा आरोप ◀◀ एसपी से की गई है मामले की शिकायत

कानपुर देहात। यूं तो पूरे देश में लोगों के साथ ठगी और टप्पेबाजी करने वाले कई गिरोह घूम रहे हैं। लेकिन कानपुर देहात में एक ऐसा मामला सामने आया जिसमें एक विशेष समुदाय के लोगों को ही टारगेट किया गया और उनके साथ लाखों रुपए की ठगी की गई, पीड़ितों की अगर माने तो उन जैसे हजारों लोग ऐसे हैं जो अब तक शिकायत करने के लिए सामने नहीं आए हैं। लेकिन जैसे ही उन्हें यह महसूस होगा कि उनके साथ धोखाधड़ी हो चुकी है उन्हें ठग लिया गया है तो वह भी पुलिस के पास शिकायती प्रार्थना पत्र लेकर खड़े नजर आएंगेपूरा मामला जनपद कानपुर देहात का है जहां के रहने वाले शरद वर्मा नाम के एक व्यक्ति ने कश्यप समाज के नाम पर एक संगठन तैयार किया और कश्यप समाज के लोगों को उसमें जोड़कर पदाधिकारी बनाना शुरू किया फिर उन्हें सरकारी योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, तालाबो के पट्टा, व कौशल विकास योजना के तहत सिलाई मशीन दिलाना, वृद्धावस्था पेंशन दिलाना जैसी तमाम योजनाओं का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी कर ली दर्जनो लोगों ने माती पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे लिखित शिकायत की। इन सभी पीड़ितों से लगभग 6 लाख रुपए योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर ठगे जा चुके हैं। पीड़ितों ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद कानपुर देहात में हम जैसे हजारों लोग हैं जिन्हें यह कहकर संगठन में जोड़ा गया की कश्यप समाज की अहमियत जिले में खत्म हो चुकी है, और उनके वर्चस्व के लिए उनका हर पायदान पर मजबूती से खड़ा रखने के लिए यह संगठन बनाया गया है और फिर धीरे-धीरे उन्हें अपनी जाल में फसाया गया और तमाम योजनाओं का झांसा देते हुए उनके साथ ठगी की गई लंबे समय तक जब लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिला तो उन सभी पीड़ितों ने कश्यप समाज संगठन के संस्थापक बनकर घूम रहे शरद वर्मा नाम के व्यक्ति को फोन किया और पैसे वापस करने की बात कही तो शरद वर्मा ने उन सभी पीड़ितों को धमकी दी और कहा कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है।

ओवैसी की सांसदी निरस्त कर चुनाव लड़ने पर लगे रोक

केशव मधुवन सेवा समिति में हुई बैठक में लोगों ने जताई नाराजगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुधवार को केशव मधुवन सेवा समिति, केशव नगर की आवश्यक बैठक राजेन्द्र अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें भारत सरकार की अठारहवीं लोकसभा के सपथ ग्रहण समारोह में सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा जय फिलिस्तीन बोल कर भारतीय संविधान का अपमान किया गया इससे जहां एक ओर पूरा देश अपमानित अनुभव कर रहा है, वहीं दूसरी ओर इनकी विश्वसनीयता पर प्रश्चिन्न लग गया है। राजेन्द्र अवस्थी ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह वो लोग है जो भारत में पैदा हुए, भारत की मिट्टी का अन्न खा कर बड़े हुए, भारत के संसाधनों का उपयोग कर सुखमय जीवन यापन कर रहें है और भारतीय संविधान में मिले अधिकारों की वजह से वर्षों से सांसद बन के सम्मान व सुविधाओ का उपभोग कर रहे हैं पर भारत माता की जय बोलने में तो परहेज करते है किन्तु भारत की संसदीय परंपरा का अपमान करने में उन्हें जरा भी संकोच नहीं है। हम सभी जन भारत सरकार से मांग करते है कि संविधान का अपमान करने वाले सांसद असदद्दुन ओवैसी की संसद सदस्यता तुरन्त निरस्त की जाय और कम से कम दस साल तक चुनाव लडने में रोक लगे।सभा में प्रमुखरूप से श्याम बिहारी शर्मा,राम उत्तम, प्रदीप त्रिपाठी, राधा कृष्ण त्रिपाठी, राज कुमार शर्मा, चंद्र भूषण मिश्रा, योगेश दीक्षित,राम प्रकाश पाण्डेय, बी. के.तिवारी,महेश सिद्धवानी, ओम प्रकाश गौतम, पंकज अग्रवाल,रोजी भाई, सालिग राम शर्मा, कप्तान सिंह, रेखा दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

नीट परीक्षा में धांधली को लेकर नाराजगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हलीम डिग्री कालेज छात्र सभा के अध्यक्ष मुस्तफा फारूकी ने बताया की नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी एवं पेपर लीक तथा परीक्षा स्थगित होने को लेकर समाजवादी छात्र सभा हलीम डिग्री कॉलेज इकाई का एक प्रतिनिधिमंडल नीट परीक्षा करने वाली एजेंसी पर थाना चमनगंज पुलिस से मुकदमा दर्ज करने की मांग करी आपको बता दें कि जिस तरह से अब तक देश में नीट जेईई की परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता एवं सफलतापूर्वक होती थी मगर पिछले कुछ समय से पुलिस भर्ती अन्य पेपर एवं अब नीट का पेपर लीक हो गया यह बहुत दुखद एवं लाखों छात्रों के भविष्य से खेलने वाला कार्य है जिस तरह से पेपर लीक हुआ एवं उसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी गई उससे पूरे देश के छात्रों में रोष व्याप्त है एवं परीक्षा करने वाली एजेंसी को लेकर गुस्सा भरा हुआ है जो छात्र अपने घर से दूर रहकर हॉस्टल में रहकर बाहर कोचिंग करके हजारों लाखों रुपए लगाकर परीक्षा की तैयारी करता है एवं उसके बाद पेपर लीक हो जाता है तथा परीक्षा स्थगित कर दी जाती है उससे उसका मनोबल बिल्कुल गिर जाता है एवं वह आत्महत्या तक मजबूर हो जाता है यहीं नहीं इससे देश विदेश में हमारी छवि भी धूमिल होती है अत: हमारी मांग है कि जिस तरह परीक्षा कराने वाली एजेंसी ने लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया उस तरह से उस पर कार्यवाही करना आवश्यक है।वही थाना चमनगंज पुलिस से हमारी मांग है कि परीक्षा करने वाली एजेंसी पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस मौके पर शाहजेब सिद्दीकी महामंत्री,मोहम्मद बिलाल उपाध्यक्ष आदि लोग मौजूद रहे।

राधे-राधे इस्पात कंपनी के डायरेक्टर को भेजा जेल

52 करोड़ की टैक्स चोरी में डीजीजीआई इंटेलिजेंस लखनऊ की टीम ने की कार्रवाई

बीपीएस न्यूज

कानपुर। डायरेक्टर जनरल जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) लखनऊ की टीम ने फजलगंज स्थित राधे-राधे इस्पात कंपनी के कार्यालय में छापेमारी कर 52 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी। टीम ने कंपनी के डायरेक्टर को गिरफ्तार कर स्पेशल सीजेएम की कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 9 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। के ब्लॉक किदवई नगर निवासी नवीन जैन (57) श्री राधे-राधे इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं। फतेहपुर, मलवां में उनकी फर्म है, साथ ही फजलगंज, सिग्मा हाउस प्लॉट नंबर 17 में उनका कार्यालय है। डीजीजीआई लखनऊ की टीम को काफी समय से इस्पात कंपनी में टैक्स चोरी की जानकारी मिल रही थी। जिस पर टीम ने फजलगंज स्थित कार्यालय में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने 52 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी।टीम ने कंपनी डायरेक्टर नवीन जैन को गिरफ्तार करते हुए स्पेशल सीजेएम कुमुदलता त्रिपाठी की कोर्ट में पेश किया। टीम की ओर से कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया गया कि मामले की जांच अभी प्रचलित है, इसलिए आरोपी की न्यायिक अभिरक्षा स्वीकृत की जाए, जिससे साक्ष्य प्रभावित न हों।

जेके समूह की जमीन पर बनेगा ताज होटल

◀◀ कालपी रोड स्थित जेके समूह की जमीन का हुआ सर्वे ◀◀ मुम्बई में हुआ करार ◀◀ होटल में अतिथियों के लिए 150 कमरे और दो रेस्तरां, एक बार व वेलनेस सर्किल के साथ ही स्पा की भी सुविधा होगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के पर्यटन जगत को बड़ा तोहफा मिल सकता है ।अगर सब कुछ सही चलता रहा तो टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी लि. (आइएचसीएल) शहर के कालपी रोड स्थित जेके समूह की जमीन पर %ताज% होटल बनाने जा रहा है। इसके लिए जेके अर्बनस्केप्स के साथ मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अनुबंध किया गया है।

शहर में कमला क्लब के निकट बनने वाला यह होटल कानपुर की शान बनेगा। रिपोर्ट के अनुसार इस होटल में अतिथियों के लिए 150 कमरे और दो रेस्तरां, एक बार व वेलनेस सर्किल के साथ ही स्पा की भी सुविधा होगी। आइएचसीएल की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि यह कंपनी की ग्रीनफील्ड परियोजना है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत छतवाल ने बताया कि इस होटल में 10,000 वर्ग फीट से भी बड़ा बैंक्वेट क्षेत्र होगा। होटल का संचालन टाटा समूह की ओर से किया जाएगा। जबकि होटल का निर्माण जेके अर्बनस्केप्स द्वारा कराया जाएगा। जेके अर्बनस्केप्स डेवलपर्स लिमिटेड के चेयरमैन अभिषेक सिंघानिया ने इस करार को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कानपुर में प्रतिष्ठित ताज ब्रांड लाने और आइएचसीएल के साथ तरह से साझेदारी करके कंपनी उत्साहित है। यह होटल शहर में परिवर्तन का प्रतीक बनेगा। कानपुर शहर में ताज ब्रांड का होटल आना यह साबित करता है कि कानपुर शहर का वाणिज्यिक महत्व तेजी से बढ़ रहा है। इस होटल के जुड़ने के साथ ही अब उत्तर प्रदेश में आइएचसीएल के 26 होटल हो जाएंगे, जिनमें से 13 निर्माणाधीन हैं। कानपुर में टाटा होटल को लेकर लोगों का उत्साह देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी व्यापार मंडल ने सांसद देवेंद्र सिंह भोले से की मुलाकात

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश कल्याणकारी व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष संदीप पांडेय के नेतृत्व में अकबरपुर लोकसभा के सांसद देवेंद्र सिंह भोले से मिला प्रतिनिधि मंडल में व्यापार मंडल के पदाधिकारी के साथ-साथ पूर्व पार्षद नानकारी निर्मल मिश्रा सहित आईआईटी गेट के सामने के सैकड़ो परिवार की महिलाएं बच्चे एवं व्यापारी मौजूद थे।विदित हो कि विगत कई दिनों से हाईवे विभाग एवं पीडब्ल्यूडी के द्वारा आईआईटी गेट की दोनों पत्तियों पर नोटिस चस्पा की गई थी की 29 तारीख तक आप लोग अपना अपना सामान हटा लें नहीं तो बुलडोजर लगाकर जमीन खाली कर ली जाएगी और आईआईटी गेट से एसआई गेट तक सभी पक्के निर्माणों को गिरा दिया जाएगा। इससे दहशत में आए निवासियों एवं व्यापारियों के साथ विगत दो दिनों से व्यापार मंडल के पदाधिकारी संदीप पांडेय के नेतृत्व में आईटी गेट काली मंदिर पर बैठक कर रहे थे एवं लोगों की बात सुन रहे थे यह निर्णय लिया गया कि हम सब व्यापारी एवं क्षेत्रीय नागरिक अकबरपुर लोकसभा के सांसद देवेंद्र सिंह भोले के समक्ष अपनी पीड़ा को रखेंगे और उनके आवास पर सभी लोगों की मांग पर एक अनुरोध पत्र व्यापार मंडल के लेटर पैड पर बनाया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने भी बातों को सुना एवं समझा तथा सहयोग देने का वादा कियाआईआईटी गेट और कल्याणपुर के व्यापारियों ने वहां पर देवेंद्र सिंह भोले जिंदाबाद के नारे लगाए और संदीप पांडेय के नेतृत्व में उनको बहुत-बहुत धन्यवाद दिया इस अवसर पर नारामऊं के भाजपा मंडल अध्यक्ष चंचल सिंह भदोरिया* का विशेष योगदान रहा।प्रतिनिधि मंडल में ओम सिंह भदोरिया विमल सिंह पूर्व पार्षद नानकारी निर्मल मिश्रा कृष्ण नारायण कटियार मोनू पांडेय टीटू भाटिया महेंद्र गुप्ता सचिन दुबे अरुण मिश्रा पुत्तन ठाकुर संजय गुप्ता हुमायु खान मंजू बाल्मिकी बउआ साबू आदित्य फरजाना मंजू देवी सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

चालीस वर्षों तक अपनी सेवाएं देने के बाद किला मजदूर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हुए सेवानिवृत्त

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ओईएफ फूलबाग कानपुर में लगभग चालीस वर्षों तक अपनी सेवाएं देने के बाद किला मजदूर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक पांडेय शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ के सचिव सिद्धनाथ तिवारी,किला मजदूर यूनियन के अध्यक्ष महेन्द्र नाथ सहित सभी सदस्यों ने माला पहनाकर व शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया।

यूनियन के कार्यवाहक महामंत्री समीर बाजपेई, पूर्व अध्यक्ष अरविन्द द्विवेदी, जेसीएम चतुर्थ सदस्य नीरज सिंह, कोषाध्यक्ष रोहित तिवारी आदि ने सम्मान स्वरूप यूनियन उपाध्यक्ष को कई उपहार भेंट किए। साथ ही निर्माणी मुख्य द्वार पर जबरदस्त स्वागत व सम्मान करते हुए भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर आईएनडीडब्लूएफ के सचिव सिद्धनाथ तिवारी ने श्री अशोक पांडेय की मृदुभाषी वाणी और मिलनसार व्यवहार की तारीफ करते हुए उनके सदैव स्वस्थ व लंबी आयु के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना करी।

श्री तिवारी ने यूनियन की प्रगति में उनकी लगन ओर कठिन परिश्रम के लिए उनके योगदान को भी सराहा। इतने सम्मान और स्वागत से अभिभूत यूनियन उपाध्यक्ष श्री अशोक पांडेय ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सिद्धनाथ तिवारी, यूनियन अध्यक्ष महेंद्रनाथ,कार्यवाहक महामंत्री समीर बाजपेई, संजय गुप्ता, नीरज सिंह,अनिल कुमार, मिथिलेश प्रसाद, अरविन्द द्विवेदी, राकेश द्विवेदी,दुर्गानंदन पटेल,दिनेश पांडेय, विजय पाल, रोहित तिवारी, नरेश तिवारी, नीरज शुक्ला, शैलेंद्र द्विवेदी,रंजीत राणा, मोहित शुक्ला,जयप्रकाश शर्मा, डी. सिंह, अब्दुल सलीम,कृष्ण औतार, राजुकमार गौतम, राजकुमार श्रीवास्तव, काशी प्रसाद वर्मा, मनोज दीक्षित ,चंद्रशेखर,मोहम्मद अजीम, सरफराज अहमद, ब्रजेश यादव, मनीष भदौरिया आदि मौजूद रहे।

छात्र को अगवा कर पीटने का मामला

अधिवक्ता के आगे नतमस्तक दिखी पुलिस, थाने में कुर्सी पर बैठे रहे दोनों आरोपी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में बिठूर इलाके में डी फार्मा छात्र को पीटने के आरोपी अधिवक्ता के पुलिस थाने से दो वीडियो सामने आए हैं। पहले में वह कुर्सी पर फर्राटा पंखा के सामने आराम से पैर-पर-पैर चढ़ाए बैठा है। सामने पुलिस वाले खड़े हैं। दूसरे में वह थाने से निकल कर साथी वकीलों और करीबियों को कुछ बता रहा है।

अधिवक्ता ने शुक्रवार शाम अपनी नाबालिग बेटी के साथ नाबालिग छात्र को ईश्वरीगंज क्षेत्र में कोल्ड ड्रिंक पीते देखा। इस पर आपा खोए अधिवक्ता ने छात्र को अगवा कर बिठूर के चिरान गांव में एक फार्म हाउस में बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा। मामला बढ़ा तो अधिवक्ता ब्रजनारायन निषाद और बड़े भाई तेजनारायन निषाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने ले आई। इसके बाद थाने के दो वीडियो सामने आए।

पुलिस ने आरोपी की पत्नी को हिरासत से छोड़ा

बिठूर थाने के बाहर वकीलों का झुंड था। पुलिस पर दबाव बनाने के लिए भारी संख्या में महिलाओं को भी लाया गया था। कई गांव के प्रधान भी आरोपियों की पैरवी करने के लिए यहां आए थे। अधिवक्ताओं के दबाव को देखते हुए पुलिस ने आरोपी बृज नारायण की पत्नी को हिरासत से छोड़ दिया। थाने के अंदर आरोपी अधिवक्ता बृजनारायण और उसका भाई तेज नारायण कुर्सी पर बैठे दिखे। हवा के लिए उनके सामने फर्राटा पंखा लगाया गया था। आरोपी थाने के अंदर फोन पर बात करके अपने मामले को बराबर करने की कोशिश कर रहा था। बाहर निकलकर अपने साथी वकीलों और करीबियों को निर्देश दे रहा था। केस में आठ आरोपी शामिल थे, लेकिन अभी तक अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई।

मां बोली- हमारे लड़के को उनकी लड़की ले जा रही थी

बेटे पर छेड़खानी के आरोप के सवाल पर छात्र की मां ने कहा कि पांच लाख फिरौती मांग रहे थे। तब छेड़खानी का कोई मामला नहीं था। अब एफआईआर दर्ज हो गई तो अपनी बेटी से छेड़खानी का आरोप लगवा रहे हैं। हम तो यह कहेंगे कि हमारे लड़के को तुम्हारी लड़की लिए जा रही थी।

छात्र की हालत गंभीर

पिटाई से गंभीर रूप से घायल छात्र हैलट के आईसीयू में भर्ती है। इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया- छात्र स्थिर है। शरीर पर कोई ऐसा अंग नहीं जहां पर चोट के निशान नहीं हैं। पूरा शरीर पिटाई से काला पड़ा हुआ है। छात्र को आईसीयू में रखा गया है। फिलहाल पूरे शरीर का सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड समेत अन्य सभी जांचें कराई गई हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर इलाज किया जा रहा है।

तीन लाइसेंसी असलहा रखने वालों पर दर्ज होगा मुकदमा

यूपी में दो से ज्यादा असलहा लाइसेंस रखना अवैध: डीएम

टीम गठित की गई

डीएम ने कोर्ट में आदेश करने के बाद पूरे जिले में तीन लाइसेंस रखने वालों की सूचना तलब की है। उनके नाम, पते और पिता के नाम को निकलवाया जा रहा है। इसको लेकर एसीएम सप्तम सुरेंद्र बहादुर के नेतृत्व में टीम को लगाया गया है। उनकी लिस्टिंग होने के बाद पूरी जानकारी पुलिस कमिश्नर को भेजी जाएगी।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। तीन असलहा रखने वालों पर अब प्रशासन सख्त कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। डीएम कोर्ट ने एक मामले में के तीनों लाइसेंस को निरस्त करके आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। फिलहाल जिले में 100 से ज्यादा लोग तीन से ज्यादा असलहे रखे हुए हैं। डीएम राकेश कुमार सिंह ने बताया कि दो से ज्यादा असलहा लाइसेंस रखना अवैध है। लोगों को अपना एक लाइसेंस जमा करना था, कई ने जमा नहीं किया है। इसलिए पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर ऐसे सभी असलहों को जमा कराकर निरस्तीकरण की रिपोर्ट मांगी है।

शासन ने 2021 में तीन असलहा लाइसेंस रखने वालों को स्वेच्छा से एक लाइसेंस सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोई भी व्यक्ति सिर्फ दो ही असलहा लाइसेंस रख सकता है। इसके लिए लगभग सभी तीन लाइसेंसधारियों को नोटिस भेजकर एक असलहा जमा कराने का नोटिस भी जारी किया था। बावजूद शहर में 100 से ज्यादा लोगों ने अपना तीसरा लाइसेंस जमा नहीं किया है। अब ऐसे मामले डीएम कोर्ट में आने शुरू हो गए हैं।

किदवई नगर पुलिस ने शिवशंकर के खिलाफ असलहा लाइसेंस निरस्त करने की रिपोर्ट डीएम कोर्ट को भेजी थी। जिस पर उनका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था।

उनके पास भी तीन असलहा लाइसेंस थे। डीएम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए शिवशंकर के तीनों लाइसेंस को निरस्त करके उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। उसी के बाद डीएम ने अन्य के लाइसेंस की जांच शुरू करा दी।

मोतीझील से लेकर नयागंज स्टेशन तक मेट्रो का ट्रायल होगा जल्द

कानपुर। कानपुर मेट्रो अपने पहले कॉरिडोर में जल्द मोतीझील से आगे दौड़ती नजर आयेगी। 4 किमी. अंडरग्राउंड सेक्शन में ट्रायल रन की तैयारी तेज कर दी गई है। चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा और नयागंज मेट्रो स्टेशन तक सिग्नल इंस्टॉल और सिग्नल फील्ड टेस्टिंग का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। 8 में से 7 सिग्नल लगाने का काम भी पूरा कर लिया है। अब जल्द ही मोतीझील से आगे चुन्नीगंज से नयागंज तक अंडरग्राउंड स्टेशन पर मेट्रो का ट्रायल रन शुरू होगा। आईआईटी से मोतीझील सेक्शन के बाद पड़ने वाले चुन्नीगंज से नयागंज अंडरग्राउंड सेक्शन में सिविल निर्माण कार्य के साथ-साथ सिस्टम इंस्टॉलेशन का कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।सेक्शन में सिग्नलिंग प्रणाली के टेस्टिंग की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। चुन्नीगंज-नयागंज सेक्शन में टनल निर्माण कार्य इस साल मार्च में पूरा किया गया था। अब इस सेक्शन के अंडरग्राउंड स्टेशनों पर टेक्निकल रूम के अलावा टनल वेंटिलेशन सिस्टम, एंवॉयरमेंट कंट्रोल सिस्टम, सिग्नलिंग सिस्टम का कार्य भी इंस्टॉल करने की अंतिम चरण में है। सिग्नल इंस्टॉल करने के साथ ही सिग्नलिंग प्रणाली के टेस्टिंग की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पार्शियल एक्सेपटेंस टेस्ट किया जा रहा है। इस परीक्षण में सिग्नलिंग से जुड़े विभिन्न उपकरणों जैसे सिग्नल, एंटीना आदि को अलग-अलग चलाकर देखा जाता है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिस्टम एक्सेपटेंस टेस्ट किया जाएगा, जहां ट्रेन को इस सिग्नलिंग सिस्टम के अनुसार चलाकर देखा जाएगा।मेट्रो ट्रैक के मेनलाइन पर लगे सिग्नलों में तीन रंग होते हैं। लाल, बैंगनी (वॉयलेट) और हरा। लाल रंग, ट्रेन को रुकने का संकेत देता है, जबकि बैंगनी रंग का सिग्नल होने पर ट्रेन को एक निर्धारित गति सीमा पर आगे बढ़ने की अनुमति होती है। हरा रंग, आगे का रूट पूरी तरह से क्लियर होने का संकेत देता है।

घंटाघर के होटलों में हो रहे 'कांड'

बीपीएस न्यूज

कानपुर। घंटाघर के आसपास के कई होटल देह व्यापार के बड़े अड्डे बन चुके हैं। लगातार होटलों की आ रही शिकायतो को लेकर डीसीपी पूर्वी ने सर्किल कलक्टरगंज क्षेत्र के होटलो में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान होटलों के रजिस्टर चेक किए गए। वहीं, होटल संचालकों को हिदायत दी गई की नाबालिक जोड़ों को रूम मुहया ना कराया जाए और जिनको रूम दिया जाए उनकी आईडी ले कर एंट्री रजिस्टर में एंट्री की जाये और साथ हीं ये भी कहा कि अगर किसी तरह की कोई भी कमी पाई गई तो होटल संचालक पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी। वहीं चेकिंग अभियान के दौरान हरबंश मोहाल कलक्टरगंज सहित कई थानों का फोर्स मौके पर मौजूद रहा।

परमदानी भामाशाह जी का जन्मोत्सव मनाया

वैश्य महासंगठन ने आयोजित किया कार्यक्रम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। वैश्य महासंगठन ने परमदानी महाराज भामाशाह जी का जन्मोत्सव मनाया। सिद्धार्थ काशीवार ने कहा कि वैश्य महासंगठन पिछले पाँच साल से महाराज भामाशाह जी के वैभव और प्रताप से आमजन को परिचित कराने में लिप्त है। संगठन को बड़ी उपलब्धि तब प्राप्त हुई जब संगठन के ज्ञापन पर आदरणीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराज भामाशाह जी की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में जोड़ने के लिए एन सी ई आर टी को उचित निर्देश दिये। सिद्धार्थ ने बताया कि ये वैश्य महासंगठन का ही प्रयास है की महाराज भामाशाह जी के नाम पर सरकारी योजनाएँ शुरू हो गई हैं एवं शीघ्र महाराज की जीवनी से भविष्य की पीढ़ी स्कूली पाठ्यक्रम द्वारा जानेंगे। महाराज भामाशाह जी की जीवनी संकलित करने वाले महासंगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ काशीवार ने बताया कि भारतीय इतिहास में मेवाड़ोद्धारक दानवीर भामाशाह का नाम बड़े ही गौरव के साथ लिया जाता है। भामाशाह स्वामिभक्त एवं दानवीर होने के साथ-साथ जैनधर्म के परम श्रद्धालु श्रावक थे। हल्दी घाटी के युद्ध में पराजित राणा प्रताप के लिए उन्होंने अपनी संपूर्ण निजी सम्पत्ति से इतना धन दान दिया था कि जिससे 25000 सैनिकों का बारह वर्ष तक निर्वाह हो सकता था। आज के दर से महाराज भामाशाह जी ने रू 5 लाख करोड़ का दान किया था जो वास्तविकता में कपोल कल्पना लगती है परंतु हमारे परम दानी पूर्वज ने ऐसा किया था। अकबर की सेना द्वारा पराजित होने के बाद जब महाराणा प्रताप अपने परिवार के साथ जंगलों में भटक रहे थे तब भामाशाह ने अपनी सारी जमा पूंजी राणा प्रताप को समर्पित कर दी। तब भामाशाह की दानशीलता के प्रसंग आसपास के इलाकों में बड़े उत्साह के साथ सुने और सुनाए जाते थे। उस सहयोग से महाराणा प्रताप में नया उत्साह उत्पन्न हुआ और पुनः सैन्य शक्ति संगठित कर मुगल शासकों को पराजित कर फिर से मेवाड़ का राज्य प्राप्त किया।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।